Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 111 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, रविवार 08 मार्च 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मोहाली में 10 साल के मासूम को ट्रैक्टर ने दो बार कुचला

मोहाली। मोहाली की बड़माजरा कॉलोनी में एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां सीवर साफ करने वाले एक ट्रैक्टर ने 10 साल के एक मासूम बच्चे को बेदर्दी से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान छठी कक्षा के छात्र शौर्य निषाद के रूप में हुई है। इस खौफनाक हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने मौके पर भारी हंगामा किया और फेज-1 की सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और मृतक के परिजनों का आरोप है कि ट्रैक्टर चालक की घोर लापरवाही और संवेदनहीनता ने मासूम की जान ली है। संदीप नाम के एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि ट्रैक्टर ने पहले बच्चे पर अगला टायर चढ़ाया और फिर रुकने के बजाय वहां से भागने की कोशिश की। इसी जल्दबाजी और भागने के चक्कर में क्रूर ड्राइवर ने बच्चे के ऊपर ट्रैक्टर का पिछला टायर भी चढ़ा दिया। हादसे के तुरंत बाद लोगों ने ड्राइवर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह मौके से फरार हो गया।

मध्य पूर्व के कुछ देशों से भारतीय एयरलाइंस ने फिर शुरू की सीमित उड़ान सेवाएं

नई दिल्ली। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट सहित घरेलू एयरलाइंस ने शुक्रवार से मध्य पूर्व से आने-जाने वाली सीमित उड़ान सेवाओं को धीरे-धीरे फिर से शुरू कर दिया है। हालांकि अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध से जुड़े हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण अब भी हजारों उड़ानें रद्द हैं। इंडिगो ने बताया कि वह शुक्रवार को मध्य पूर्व के आठ गंतव्यों के लिए 17 उड़ानें (34 सेक्टर) संचालित करेगी और सरकार के साथ मिलकर सुरक्षित तरीके से सेवाएं पूरी तरह बहाल करने पर काम कर रही है। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों द्वारा सऊदी अरब और ओमान के हवाई क्षेत्र खुले होने की पुष्टि के बाद एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जेद्दा और मस्कट से आने-जाने वाली उड़ानों को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। स्पाइसजेट ने कहा कि वह 6 और 7 मार्च को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत के लिए विशेष उड़ानें संचालित करेगी।

एजेंट अर्थव्यवस्था की नई संरचना भारत में एआई और क्रिप्टो की महत्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली। जब जनरेटिव एआई ने पहली बार वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया, तब क्रिप्टो जगत की प्रतिक्रिया काफी सतही और अनुमानित थी। उपयोगिता पर ध्यान देने के बजाय बड़ी संख्या में एआई टोकन केवल ट्रेंड और कथानक की लहर पर सवार दिखाई दिए। लेकिन 2026 की शुरुआत तक यह दौर धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा है। अब इसकी जगह एक अधिक गंभीर और दिलचस्प दिशा उभर रही है। एआई और क्रिप्टो का वास्तविक मेल बड़े भाषा मॉडलों को ब्लॉकचेन पर रखने का प्रश्न नहीं है। असल मुद्दा यह है कि ब्लॉकचेन नेटवर्क को एक साझा भरोसेमंद आधारभूत ढांचे के रूप में इस्तेमाल किया जाए।

लखपति दीदी अभियान

छत्तीसगढ़ की महिलाएं लिख रही समृद्धि की नई कहानी-मुख्यमंत्री

■ छत्तीसगढ़ की महिलाएं आत्मनिर्भरता और नवाचार से बना रही हैं नई पहचान

रायपुर। संवाददाता

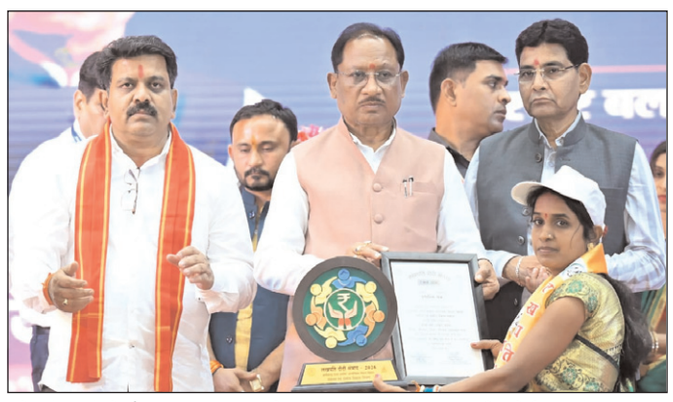

छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता, मेहनत और नवाचार के बल पर नई पहचान बना रही हैं और हमारी सरकार उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में प्रदेश भर से आई स्व-सहायता समूह की हजारों महिलाएं और लखपति दीदियां उत्साहपूर्वक शामिल हुईं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है और जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का निवास होता है। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं घरों तक सीमित रहती थीं, लेकिन आज प्रदेश की महिलाएं स्व सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन का लक्ष्य लखपति दीदियों को और अधिक सशक्त बनाकर गांव की प्रत्येक महिला को लखपति बनाना और भविष्य में लखपति ग्राम का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री

श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर छत्तीसगढ़ में 10 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 8 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में 10 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गांवों के लोगों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर चुकी है और इनके निर्माण में बिहान की दीदियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना प्रारंभ की गई है, जिसके तहत लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को 24 किश्तों में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है तथा इस वर्ष के बजट में इसके लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लखपति दीदी योजना से प्रदेश की 5 लाख से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और अब लखपति दीदी भ्रमण योजना शुरू कर उन्हें देश-प्रदेश के व्यावसायिक केंद्रों और शक्ति पीठों का भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायत विभाग द्वारा 250 महतारी सदनों का निर्माण, आंगनबाड़ी संचालन और पोषण योजनाओं के लिए भी इस वर्ष के बजट में प्रावधान किया गया है।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक प्राप्त करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक प्राप्त करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री वैभवी को मिठाई खिलाकर उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुश्री वैभवी अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वैभवी की यह सफलता प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

भारतीय रसोई पर महंगाई की मार

घरेलू में 60 रु कमर्शियल में 115 रु की बढ़ोतरी......

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल युद्ध के वैश्विक असर के कारण भारतीय रसोई पर महंगाई की मार पड़ी है। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 60 रुपये और 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपये का बड़ा इजाफा कर दिया है। नई कीमतें 7 मार्च, 2026 से प्रभावी हो गई हैं। इस बीच, खाड़ी क्षेत्र में युद्ध के चलते गैस की संभावित किल्लत को देखते हुए सरकार ने 'इमरजेंसी पावर' का इस्तेमाल करते हुए सभी रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का कड़ा निर्देश दिया है।

ताजा बढ़ोत्तरी के बाद दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है। वहीं, व्यवसायिक इस्तेमाल वाला 19 किलो का सिलेंडर अब 1883 रुपये में मिलेगा, जो पहले 1768 रुपये का था।

जम्मू और कश्मीर के बडगाम में कश्मीर घाटी में लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियों के बीच खामेनेई की हत्या के विरोध में लोग ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीरें को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

लखनऊ में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भरा धुंआ

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को एक बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गए। लखनऊ से कौशांबी के लिए उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते राजधानी के अमौसी एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। मिली जानकारी के मुताबिक, उपमुख्यमंत्री लखनऊ के ला मार्ट्स मैदान से कौशांबी के लिए रवाना हुए थे। उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद हेलीकॉप्टर के केबिन में अचानक धुआं भरने लगा और डिस्प्ले सिस्टम भी बंद

हो गया। इससे हेलीकॉप्टर में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तुरंत लखनऊ एटीसी से संपर्क किया और अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति मांगी।

भाजपा के चाणक्य ने भेजा बुलावा

बिहार में गढ़ गई हलचल सम्राट चौधरी बनेंगे बिहार के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को दिल्ली बुलाया है। सम्राट रविवार को शाह से मिलने पटना से दिल्ली जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन के बाद बिहार में नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर चर्चा चल रही है। चर्चा है कि अगला मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी से होगा। अमित शाह ने सम्राट चौधरी को दिल्ली क्यों बुलाया? इसका कोई साफ कारण सामने नहीं आया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह नई सरकार बनाने पर चर्चा कर सकते हैं। सम्राट बिहार में नीतीश कुमार की अगुवाई वाली

हृष्ठ सरकार में नंबर दो की हैसियत रखते हैं। वह राज्य का सबसे अहम माना जाने वाला गृह विभाग भी संभालते हैं, जो पहले नीतीश कुमार के पास था। खबर है कि भाजपा की टॉप लीडरशिप ने संभावित मुख्यमंत्री पर चर्चा शुरू कर दी है। नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने के बाद वह बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। इसके बाद नई सरकार बन सकती है। अगले मुख्यमंत्री के बारे में आने वाले दिनों में घोषणा होने की उम्मीद है। बीजेपी की सहयोगी जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले गुरुवार को पटना में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। नीतीश ने खुद सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। नीतीश कुमार ने कहा कि वह अपनी मर्जी से राज्यसभा जा रहे हैं।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर बेटी का खौफनाक अंत दहेज के लालच में हैवान बना पति

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बेहद दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां के सोलादेवनहल्ली इलाके में 35 वर्षीय पूर्व सॉफ्टवेयर इंजीनियर पी. सुषमा ने कथित तौर पर दहेज उत्पीड़न और रोज-रोज की घरेलू कलह से तंग आकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस दर्दनाक घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति पुनीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। सुषमा के पिता पुलिस विभाग से रिटायर्ड असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर हैं और उनकी शिकायत के आधार पर ही पुनीत के खिलाफ दहेज हत्या का सनसनीखेज मामला दर्ज किया गया है।

घुसपैठियों को लेकर राहुल गांधी पर हमला

जो देश का नागरिक नहीं उसे बाहर करेंगे-अमित शाह

देहरादून/ एजेंसी

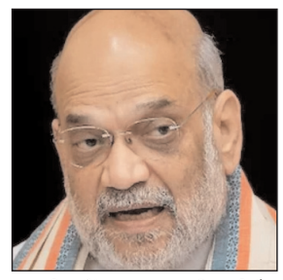

उत्तराखंड सरकार के चार साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने पांच लोगों को भारत की नागरिकता के प्रमाणपत्र दिए। वहीं जनसभा को संबोधित करते हुए घुसपैठियों को लेकर अमित शाह ने राहुल गांधी पर हमला किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जो देश का नागरिक नहीं, उसे बाहर किया जाएगा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि घुसपैठ को भारत से बाहर निकालेंगे। केदारनाथ से कन्या कुमारी तक, राहुल बाबा को जितना विरोध करना है करें। उन्हें

हर चीज में नकारात्मक दिखती है। नौ साल में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। हरीश रावत पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। देश से तुष्टिकरण की राजनीति को समाप्त किया। समान नागरिक संहिता कानून को लागू करने वाला उत्तराखंड देश में पहला राज्य है। जनसांख्यिकीय में अप्राकृतिक वृद्धि को रोकने का काम यूसीसी करेगा। हाईपावर कमेटी बनाने का निर्णय लिया है। जल्द ही यह कमेटी काम करेंगे। शाह ने कहा कि कांग्रेस से हिसाब मांगना चाहिए। 2014 से 2016 पूंजी निवेश का। एक लाख 87 हजार करोड़ मोदी सरकार ने दिए। 12 हजार करोड़ केदारनाथ बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री, दिल्ली-देहरादून, 30 राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया। 2009 से 2014 तक राज्य का औसत बजट 187 करोड़ था, नौ साल में भाजपा सरकार ने चार हजार 770 करोड़ का बजट पहुंचा।

नेपाल में जेन-जेड ने रच दिया इतिहास

नेपाल में बालेन शाह ने केपी शर्मा ओली को दी मात

नेपाल/ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह ने नेपाल के आम चुनाव के नतीजों में बड़ी जीत हासिल की है। बालेन शाह झापा जिले के चुनाव क्षेत्र 5 से विजयी घोषित किए गए हैं। खास बात यह है कि उन्होंने नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और जाने-माने नेता केपी शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोटों के अंतर से हराया। आखिरी वोट नतीजों के मुताबिक, बालेन शाह को कुल 68,348 वोट मिले, जबकि केपी शर्मा ओली को इस चुनाव क्षेत्र में लगभग 18,000 वोट मिले। इस तरह दोनों उम्मीदवारों के बीच लगभग 50,000 वोटों का बड़ा अंतर था और बालेन शाह ने बड़ी जीत हासिल की। चुनाव नतीजों के बाद राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने अपने जीतने वाले उम्मीदवारों को एक जरूरी और अहम निर्देश जारी किया है। पार्टी ने अपने सभी चुने हुए उम्मीदवारों को जीत का जुलूस या कोई जश्न मनाने वाला कार्यक्रम न करने का आदेश दिया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के वाइस प्रेसिडेंट और फेडरल इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी के कोऑर्डिनेटर डीपी आर्यल ने कहा कि हाल के चुनावों में जीतने वाले उम्मीदवारों को तुरंत जश्न मनाने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वोटरों द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को गंभीरता से लेना चाहिए और यह जश्न मनाने का समय नहीं है। डीपी आर्यल ने यह भी कहा कि यह चुनाव खास हालात में हुआ था और त्नद्गठ्ठ एज ग्रुप के कई नौजवानों और महिलाओं ने अपनी जान दे दी। उन्होंने कहा कि यह दुख अभी तक भुलाया नहीं गया है, इसलिए यह जश्न मनाने के

बजाय जिम्मेदारी निभाने का समय है। उन्होंने आगे कहा कि जनता ने भ्रष्टाचार खत्म करने और अच्छा शासन स्थापित करने के मकसद से अपना जनादेश दिया है। इसलिए जीतने वाले उम्मीदवारों की प्राथमिकता वोटरों की उम्मीदों को पूरा करना और बेहतर शासन देना होना चाहिए। आर्यल ने यह भी निर्देश दिया कि पार्टी के जीतने वाले उम्मीदवार फूलों की माला पहनने या मोटरसाइकिल जुलूस निकालने जैसे दिखावटी कार्यक्रमों से बचें। उन्होंने कहा कि काउंटिंग की जगह पर समर्थकों को सिर्फ नमस्ते करने की इजाजत है।

नेपाल में शांतिपूर्ण चुनाव पर पीएम मोदी ने दी बधाई, बोले- शांति-समृद्धि के लिए मिलकर काम करेगा भारत

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में सफल और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए वहां की जनता और सरकार हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि नेपाल के उनके भाई-बहनों ने पूरे उत्साह के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा में गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत नेपाल के लोगों और उनकी नई सरकार के साथ मिलकर शांति, प्रगति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित

करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करता रहेगा। नेपाल की जनता और सरकार को सफल और शांतिपूर्ण चुनाव कराने पर हार्दिक बधाई। अपने नेपाली भाई-बहनों को इतने उत्साह के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करते देखना अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा में एक गौरवपूर्ण क्षण है। एक करीबी मित्र और पड़ोसी होने के नाते भारत नेपाल के लोगों और उनकी नई सरकार के साथ मिलकर शांति, प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रतिबद्ध है।

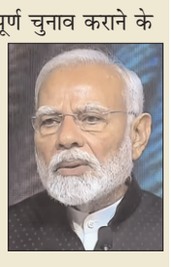

संक्षिप्त समाचार

किरंदुल नगरपालिका की स्मोक मशीन में लगी आग, बड़ा हादसा टला

किरंदुल (दंतेवाड़ा)। नगरपालिका किरंदुल द्वारा शहर में मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे फॉगिंग/स्मोक मशीन (धुंआ फैलाने वाली मशीन) का संचालन किया जा रहा था। इस मशीन में डीजल और कीटनाशक के मिश्रण को गर्म करके घना धुआं छोड़ा जाता है, जो मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों को तुरंत नष्ट करने में प्रभावी होता है। कार्य के दौरान बंगाली कैंप स्थित दुर्गा मंडप के समीप अचानक वाहन के पीछे लगी स्मोक मशीन में आग लग गई। आग लगने से पीछे बैठे कर्मचारी एडमल स्वामी घबरा गए और तुरंत कूद पड़े। सौभाग्य से उन्हें कोई चोट नहीं आई। आग की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष मृणाल राय और राजू रेड्डी ने तत्काल पानी की मदद से आग पर काबू पा लिया। इससे बड़ी दुर्घटना टल गई और वाहन को अधिक नुकसान नहीं हुआ। नगरपालिका की टीम ने आग को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया और फॉगिंग अभियान में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

अमलेश्वर में कर्मचारी संघ ने मनाया होली मिलन समारोह

पाटन (समय दर्शन)। नव नियुक्त कर्मचारी संघ अमलेश्वर के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का पालिका परिसर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी दयानंद सोनकर (पालिका अध्यक्ष) थे। अध्यक्षता - श्रीमती प्रीति गुप्ता (ष्ट.रूह्र.) ने की। विशेष अतिथि ओमप्रकाश साहू (पालिका उपाध्यक्ष), पार्षद राजू सोनकर, आलोक पाल, सोहन निषाद, हेमलाल साहु, श्री घनश्याम साहु, श्रीमती ललिता साहू, श्रीमती नीलम मिंज, श्रीमती यामिनी यादव, श्रीमती रामेश्वरी ठाकुर सहित समस्त पार्षदगण एवं पालिका के कर्मचारी ढालेंद्र कुमार ठाकुर (उप अभियंता), प्रवीण कुमार साहू (उप अभियंता) थे। अतिथियों का गुलाल लगाकर अभिनंदन स्वागत किया गया। नगाड़ों व होली गीतों के संस्कृति संगीत मय कार्यक्रम में अतिथियों सहित सभी अधिकारी/कर्मचारी झुमने लगे। कार्यक्रम में ङ्क श्री सचिन नासरे (लेखापाल), श्री रोहित पटेल, श्री नीलकंठ वर्मा, श्री राहुल शुक्ला, श्री अशोक यदु, श्री सुशील साहु, श्री प्रमोद देवांगन, श्री धंनजय सोनकर, श्री सतानंद साहु, श्री जीतू चक्रधारी, श्री चंद सोनकर, श्री जीतेन्द्र चक्रधारी, श्री सुमित साहु, श्री लक्की साहु, श्री प्रशांत साहू, श्री मेघनाथ ठाकुर, श्री योगेश साहू, श्री राजू देवांगन, श्री विक्की निषाद, श्री रिखी यादव, श्री शैलेश शर्मा सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित थे। श्री नीलकंठ वर्मा (उप राजस्व निरी.) ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

होली महोत्सव में पहुंचे पूर्व विद्यार्थी, दी गई एक-दूसरे को बधाईयां

साजा (समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला हाटरांका में एक-दूसरे को रंग,अबीर और गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी और त्यौहार की खुशियां साझा की। होली मिलन समारोह के दौरान प्रभारी प्राचार्य पद से प्राचार्य पदोन्नत के लिए डी एल भुआर्य को बधाई देने ग्राम चीजगांव के पूर्व विद्यार्थी मेडिकल आफिसर डॉ मन्नू लाल साहू, राजेश साहू एवं देवनाथ साहू पहुंचे। ज्ञात हो कि जब डॉ मन्नू लाल साहू एवं उनके सहपाठी जब हाटरांका हाईस्कूल अध्ययन के लिए प्रवेश लिया था तो उसी उसय ही प्राचार्य डी एल भुआर्य भी संस्था में पदभार ग्रहण किया था। उपस्थित पूर्व विद्यार्थियों ने प्राचार्य से वार्तालाप की एवं प्राचार्य ने भी मन्नू लाल साहू को मेडिकल आफिसर पद पर चयनित होने के लिए शुभकामनाएं दी। स्कूल पहुंचे हुए सभी पूर्व विद्यार्थियों,स्टाफ के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। होली महोत्सव के मौके पर पूर्व माध्यमिक शाला हाटरांका शिक्षक गंगाधर वर्मा, हेमलाल साहू,विमल वर्मा समेत डॉ मन्नू लाल साहू, राजेश साहू, देवनाथ साहू,अजय साहू एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति को लेकर सेजेस बसना में समीक्षा बैठक सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बसना में सत्र 2025-26 के राज्य छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे ने की। बैठक में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कँवर , बीआरसी अनिल सिंह साव सहित विकासखंड अंतर्गत संकुल समन्वयक वारिश कुमार, बड़ेटेमरी, डीजेन्द्र कुर्रे, जमदरहा, राजेश साहू, जेवरा, अमित भोई, कुदारीबाहरा, खीर सागर खूंटे बाराडोली,विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं प्रधान पाठक उपस्थित रहे। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे द्वारा जारी निर्देशों के पालन में छात्रवृत्ति पंजीयन एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री जोल्हे ने कहा कि जिले स्तर पर छात्रवृत्ति कार्य की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है और समय-समय पर इसकी प्रगति की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकासखंड स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान संस्था

प्रमुखों ने अपने-अपने विद्यालयों में छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। इस दौरान कुछ विद्यालयों में छात्रवृत्ति से संबंधित प्रविष्टि एवं दस्तावेज अपलोड का कार्य अभी भी लंबित पाया गया। बैठक में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कँवर द्वारा छात्रवृत्ति पोर्टल में प्रविष्टि, विद्यार्थियों की जानकारी के सत्यापन तथा आवश्यक दस्तावेजों के अपलोड के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

बैठक में बीआरसी अनिल सिंह साव द्वारा प्रधान पाठक और प्रभारियों के समस्याओं का निराकरण बताया गया द्य

संकुल समन्वयक बड़ेटेमरी वारिश कुमार ने भी इकेवायसी , आधार सीडिंग, राशन कार्ड में नाम सुधार, जन्म प्रमाण पत्र, आधार अपडेशन पर क्रमवार जानकारी दी गई द्य सभी संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि विद्यार्थियों की जानकारी का सूक्ष्म परीक्षण कर त्रुटिरहित प्रविष्टि सुनिश्चित करें, ताकि आगे किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री जोल्हे द्वारा ड्रॉप बॉक्स में लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने सभी संस्था प्रमुखों को आगामी पांच दिवस के भीतर ड्रॉप बॉक्स में लंबित समस्त प्रकरणों,राशन कार्ड इकेवायसी, बैंक खाता आधार सीडिंग कार्य का निराकरण कर रिपोर्ट की हार्डकॉपी कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति कार्य शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए सभी संस्था प्रमुख पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए पात्र विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने की स्थिति में संबंधित संस्था प्रमुख की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में उपस्थित सभी प्रधान पाठकों एवं प्राचार्यों ने निर्देशों के पालन का आश्वासन देते हुए छात्रवृत्ति से संबंधित लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने की सहमति व्यक्त की।

शासकीय प्राथमिक शाला हाटरांका में 'न्यौता भोजन' का आयोजन

बच्चों ने चखा खीर-पूड़ी और गुलाब जामुन का स्वाद

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। आज शासकीय प्राथमिक शाला हाटरांका में एक भावपूर्ण और सामाजिक पहल के तहत 'न्यौता भोजन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन ग्राम निवासी दशरथ साहू द्वारा अपने पूज्य दादाजी की पुण्यतिथि (बरसी) के अवसर पर किया गया।

भोजन में परोसे गए विशेष व्यंजन

इस अवसर पर स्कूली बच्चों के लिए विशेष भोज की व्यवस्था की गई थी। मीनू में मुख्य रूप से चावल, दाल, सब्जी और टमाटर की चटनी के साथ-साथ मीठे में खीर, लड्डू और गुलाब जामुन का वितरण किया गया। स्वादिष्ट भोजन पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।कार्यक्रम को सफल बनाने में संकुल के शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। इस दौरान शिक्षक दीपक राजपूत, किशन ठाकुर, रामनारायण पटेल एवं संजय सरकार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे और अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

दो वर्षों से निरंतर जारी है परंपरा

उल्लेखनीय है कि शासकीय प्राथमिक शाला हाटरांका में पिछले दो वर्षों से हर महीने 'न्यौता भोजन' का आयोजन किया जा रहा है। विद्यालय के प्रधान पाठक श्री विकास चौबे ने इस सराहनीय पहल के लिए समस्त ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में रचा इतिहास-भोजन के साथ-साथ विद्यालय परिसर पर्यावरण संरक्षण की मिसाल भी पेश कर रहा है। प्रधान पाठक ने बताया कि:

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत दर्ज संख्या 81 के अनुसार वृक्षारोपण किया गया था, जो अब बड़े वृक्ष बन चुके हैं।

विद्यालय परिसर में अब तक कुल 120 वृक्षों का रोपण किया जा चुका है, जिससे स्कूल का वातावरण हरा-भरा और सुखद हो गया है।

होली पर भी नहीं मिला वेतन : एनएचएम कर्मचारियों में नाराजगी, सीएम-स्वास्थ्य मंत्री से लगाएंगे गुहार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों को इस बार होली जैसे बड़े त्योहार पर भी वेतन नहीं मिल पाया। पिछले दो माह से वेतन लंबित रहने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित मिरी ने बताया कि होली जैसे बड़े पर्व पर भी वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी के बजाय चिंता दिखाई दे रही है। महंगाई के इस दौर में बिना वेतन के परिवार का भरण-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को वृद्ध माता-पिता की दवाइयों का खर्च, घर का किराया, बच्चों की पढ़ाई और स्कूल फीस जैसी जरूरी जिम्मेदारियां निभाने में परेशानी हो रही है। ऐसे में त्योहार के लिए जरूरी सामान खरीद पाना भी संभव नहीं हो सका, जिसके कारण इस बार कर्मचारियों की होली फीकी रही।

संघ के प्रदेश प्रवक्ता पुरन दास ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पूरे वर्ष प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने वाले कर्मचारियों को ही त्योहार के समय वेतन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने शासन और विभागीय अधिकारियों से कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द वेतन जारी करने की मांग की।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव और अन्य अधिकारियों द्वारा पहले दिए गए आश्वासनों के बावजूद वेतन जारी करने में देरी क्यों हो रही है। साथ ही एनएचएम कर्मचारियों की छह लंबित मांगों को भी शीघ्र पूरा करने की बात कही।

संघ ने शासन-प्रशासन से कर्मचारियों का लंबित वेतन तत्काल जारी करने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि होली तो बिना वेतन के बेरंग गुजर गई, अब कम से कम परिवार के भरण-पोषण के लिए समय पर वेतन उपलब्ध कराया जाए।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों को दी शिक्षा की रोशनी, नवोदय विद्यालय पेंटा की पहल

सुकमा (समय दर्शन)। नक्सल प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के लिए पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा सुकमा-1 ने एक सराहनीय पहल की। वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत आदर्श प्रेरक पहल और सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला, कोसागुडा में विद्यार्थियों को शिक्षण और ड्राइंग सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम में बच्चों को नोटबुक, ड्राइंग बुक, कलर पेंसिल, पेन, वाटर कलर, नवोदय प्रवेश परीक्षा गाइड और चप्पलें प्रदान की गईं। सामग्री मिलने पर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफझलक रहा था।

इस अवसर पर प्राचार्य संजय कुमार मंडल के मार्गदर्शन में नवोदय विद्यालय के विद्यार्थी भी शामिल हुए। कक्षा 6वीं और 7वीं के बच्चों ने ग्रामीण विद्यार्थियों को स्वच्छता, नियमित अध्ययन, नशामुक्ति और नवोदय विद्यालय में शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय उपस्थिति रही। सरपंच पण्डो गंगा के साथ पण्डो देवा, पण्डो हिरमा, पण्डो कामा और अजय कुराम उपस्थित थे। प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने कहा, नक्सल प्रभावित और वंचित क्षेत्रों में शिक्षा ही वह शक्ति है जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। नवोदय विद्यालय का यह प्रयास केवल सामग्री वितरण नहीं, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की नई उम्मीद जगाने का प्रयास है।

ग्राम सांकरा में युवा सरपंच रवि सिंगौर ने फाइनल मैच के लिए प्रोजेक्टर की व्यवस्था, क्रिकेट प्रेमियों के साथ देखेंगे भारत-न्यूजीलैंड मुकाबला

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत सांकरा के युवा सरपंच रवि सिंगौर द्वारा भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले फाइनल क्रिकेट मैच को लेकर विशेष तैयारी की गई है। टीम इंडिया को समर्थन देने के उद्देश्य से उन्होंने अपने समर्थकों के साथ झांकी कला मंच में प्रोजेक्टर की व्यवस्था कराई है, जहां ग्राम के क्रिकेट प्रेमी एकत्रित होकर मैच का आनंद लेंगे।

सरपंच रवि सिंगौर ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक और उत्साह से भरपूर होगा। उन्होंने कहा कि टीम

इंडिया पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी और देश को जीत दिलाएगी।

उन्होंने आगे बताया कि ग्राम के क्रिकेट प्रेमियों और समर्थकों के साथ मिलकर सामूहिक रूप से मैच देखने की व्यवस्था की गई है, जिससे सभी ग्रामवासी बड़े पर्दे पर इस महत्वपूर्ण मुकाबले का आनंद ले सकेंगे। इसके लिए झांकी कला मंच में प्रोजेक्टर सहित अन्य आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इस आयोजन को लेकर ग्रामवासियों में भी उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है और सभी टीम इंडिया की जीत की कामना कर रहे हैं।

एएम/एनएस इंडिया की पहल से दंतेवाड़ा और सुकमा के दूरस्थ आदिवासी अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों की नई रोशनी

एस एच अज़हर आदिवासी एक्सप्रेस दंतेवाड़ा/किरंदुल: बस्तर अंचल के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के समग्र विकास को केंद्र में रखते हुए आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) किरंदुल ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और खेल के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। इन पहलों का उद्देश्य केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों, विशेषकर बच्चों और युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलना और उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर करना है।

एएम/एनएस इंडिया की विभिन्न सामाजिक पहलें दंतेवाड़ा और सुकमा जिले के दूरस्थ आदिवासी गांवों तक पहुंच रही हैं, जहां शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और युवाओं को खेल तथा नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। कंपनी का मानना है कि सतत विकास तभी संभव है जब उद्योग और समाज साथ-साथ आगे बढ़ें, और इसी सोच के साथ एएम/एनएस इंडिया बस्तर अंचल में विकास की एक सकारात्मक और प्रेरणादायी यात्रा को आगे बढ़ा रही है।

शिक्षा और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एएम/एनएस इंडिया ने अपने प्रमुख शिक्षा अभियान पढ़ेगा भारत के तहत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से दंतेवाड़ा के स्थानीय इंडोर स्टेडियम में एक भव्य जिला स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दंतेवाड़ा के विधायक चैत्रम अतामी ने जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुदामी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत

नाहटा (आईएएस) तथा अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कुआकोंडा, कटेकल्याण, गीदम और दंतेवाड़ा ब्लॉक के कुल 86 सरकारी और निजी स्कूलों के लगभग 600 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 123 विज्ञान मॉडलों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें छात्रों ने अंतरिक्ष विज्ञान, जैविक खेती, उन्नत मत्स्य पालन, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। इन मॉडलों ने यह साबित किया कि दूरस्थ क्षेत्रों में पढ़ने वाले बच्चे भी अवसर मिलने पर विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

विज्ञान प्रदर्शनी के साथ-साथ आयोजित विज्ञान प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ और विज्ञान नाट्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी रोचक एवं प्रेरणादायी बना दिया। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और उनमें वैज्ञानिक सोच तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम ने स्थानीय विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मंच प्रदान किया, जहां वे अपनी कल्पनाशीलता और जिज्ञासा को खुले रूप में प्रस्तुत कर सके। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से एएम/एनएस इंडिया ने बालज्योति परियोजना के तहत सुकमा और दंतेवाड़ा जिले के दूरस्थ गांवों में नेत्र परीक्षण शिविरों का आयोजन भी किया। पालनार, बेंगलूर और कटेकल्याण ब्लॉक के धनिकारका जैसे दुर्गम क्षेत्रों में आयोजित इन शिविरों में सैकड़ों ग्रामीणों और बच्चों की आंखों की जांच की गई और जरूरतमंद लोगों को आवश्यक परामर्श और उपचार की सुविधा प्रदान की गई। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आंखों से जुड़ी समस्याओं की समय रहते पहचान और उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

इसके साथ ही महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य और गरिमा को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से गांव-गांव जाकर महिलाओं और किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस अभियान के अंतर्गत 250 से अधिक महिलाओं और किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए, जिससे उनके स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को मजबूत बनाने में मदद मिली। एएम/एनएस इंडिया ने सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए बुनियादी सुविधाओं के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया है। कंपनी द्वारा पाइपलाइन प्रभावित गांवों में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कराई गई, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इन प्रयासों से गांवों में रहने वाले परिवारों को राहत मिली है और उनकी दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिली है।

#HerAtTheCore कैंपेन का किया लॉन्च, महिलाओं को प्राकृतिक संसाधन सेक्टर में करियर बनाने के लिए कर रही आमंत्रित

वेदांता ने महिलाओं के प्रतिनिधित्व को 35 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया

रायपुर : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वेदांता ग्रुप ने संगठन के सभी स्तरों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को 35 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने राष्ट्रव्यापी कैंपेन #HerAtTheCore के लॉन्च और लिंक्डइन की अगुवाई में एक हायरिंग ड्राइव शुरू की है, जिसके तहत महिलाओं को माइनिंग, मैटल्स, ऑयल एंड गैस, पावर एवं टेक्नोलॉजी में करियर बनाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। भारत में उद्योगों के सालाना सर्वेक्षण के मुताबिक 2023-24 में उद्योगों में प्रत्यक्ष रूप से काम करने वाली महिलाओं की संख्या तकरीबन 18 फीसदी थी, जबकि कोर सेक्टर जैसे माइनिंग और मैटल्स में कार्यरत महिलाओं की संख्या मात्र 6 फीसदी थी। #HerAtTheCore कैंपेन इस तथ्य पर रोशनी डालता है कि भारत ओद्यौगिक विकास के दशक में प्रवेश कर रहा है, विश्वस्तरीय उर्जा रूपान्तरण को बढ़ावा दे रहा है, ईवी आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण कर रहा है तथा आधुनिक मैनुफैक्चरिंग एवं टेक्नोलॉजी में अपनी भूमिका को मजबूत बना रहा है। इन उद्योगों के विकास के लिए मैटल्स, मिनरल्स, ऑयल एंड गैस और पावर बेहद ज़रूरी हैं। इसके बावजूद भविष्य का निर्माण करने वाले इन कोर सेक्टरों के कार्यबल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व मात्र 6 फीसदी है। भारत की आर्थिक उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए इन्हें चलाने वाले उद्योगों में देश की प्रतिभा की पूरी ताकत दिखनी चाहिए। आज वेदांता में महिलाएं कार्यबल का 23 फीसदी हिस्सा बनाती हैं, जो उद्योग जगत के औसत की तुलना में काफी अधिक है। '6 फीसदी पर्याप्त नहीं है और 23 फीसदी मात्र शुरूआत है' इस संदेश के साथ #HerAtTheCore कैंपेन उद्योग जगत की उन खामियों और अवसरों दोनों को उजागर करता है, जो प्रमुख उद्योगों में भावी कार्यबल को आकार दे सकते हैं। इस पहल पर बात करते हुए प्रिया अग्रवाल हेब्बर, नॉन-एक्ज़िक्टिव डायरेक्टर, वेदांता

लिमिटेड और चेयरपर्सन, हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने कहा, ''भारत की विकास की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने के लिए इसकी प्रतिभा की पूर्ण भागीदारी ज़रूरी है। आज वेदांता में महिलाएं हमारे कार्यबल का 23 फीसदी हिस्सा बनाती हैं, लेकिन यह सिर्फएक शुरूआत है, हमने 35 फीसदी तक बढ़ने और अंतत: 50 फीसदी का तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। हम न सिर्फ महिलाओं की भागीदारी बढ़ा रहे हैं, बल्कि सिस्टम को नया आयाम देकर, आधुनिक तकनीकों को अपनाकर महिलाओं को कोर उद्योगों में शामिल होने के लिए सक्षम बना रहे हैं। #HerAtTheCore एक जश्न और एक आह्वान है। हम विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाशाली महिलाओं को प्रोत्साहित करते हैं कि हमारे साथ जुड़ें तथा दुनिया को संचालित करने वाले सेक्टरों को नया आकार देने में मदद करें।''

विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाशाली महिलाओं को प्रोत्साहित करते हैं कि हमारे साथ जुड़ें तथा दुनिया को संचालित करने वाले सेक्टरों को नया आकार देने में मदद करें।''

समावेशन को बढ़ाव देने के लिए टेक्नोलॉजी का सदुपयोग- वेदांता की समावेशन योजनाओं में आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग सुरक्षित एवं कौशल-उन्मुख कार्यस्थलों के निर्माण के लिए किया जाता है, जहां परफेर्मेन्स क्षमता से परिभाषित होता है, ना कि लिंग से। आज माइनिंग एवं मैटल्स का संचालन बौद्धिक क्षमता पर निर्भर करता है, जहां इंजीनियर डिजिटल सिस्टम एवं रियल-टाईम एनालिटिक्स के ज़रिए जटिल प्रक्रियाओं का प्रबन्धन करते हैं, वहीं हैवी लिफ्टिंग का प्रबन्धन आधुनिक मशीनरी एवं मैकेनाइज्ड उपकरणों द्वारा किया जाता है। ऑटोमेशन, डिजिटल ऑपरेशन्स सेंटरों और रिमोट मॉनिटरिंग ने महिलाओं एवं पुरूषों के लिए एक समान अवसर उत्पन्न किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सफल प्रदेश के अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉल के जरिए दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल छत्तीसगढ़ के

अभ्यर्थियों से वीडियो कॉल के माध्यम से संवाद कर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान खरसिया (रायगढ़) निवासी श्री रौनक अग्रवाल, रायपुर निवासी श्री संजय डहरिया, धमतरी जिले के परसवानी निवासी श्री डायमंड सिंह ध्रुव तथा एमसीबी जिले के जनकपुर निवासी सुश्री दर्शना सिंह से बातचीत की।मुख्यमंत्री श्री साय ने उनके परिवारजनों से भी संवाद करते हुए इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आप सभी युवाओं ने अपनी मेहनत, लगन और धैर्य के बल पर प्रतिष्ठित यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। आपकी यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और यह संदेश देती है कि निरंतर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ से युवाओं का सिविल सेवा में चयन होना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। इससे यह सिद्ध होता है कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में भी प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और हमारे युवा अपने परिश्रम के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी सफल अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के सपनों को नई ऊर्जा और दिशा देने वाली प्रेरणा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये सभी प्रतिभाशाली युवा प्रशासनिक सेवाओं में रहते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनसेवा करेंगे तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 : भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल के दौरान जियोहॉटस्टार पर बना नया वैश्विक स्ट्रीमिंग रिकॉर्ड

दुबई / मुंबई। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेल, मीडिया और डिजिटल स्ट्रीमिंग की दुनिया में नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। 5 मार्च को खेले गए भारत बनाम इंग्लैंड सेमीफाइनल ने डिजिटल दर्शकों की संख्या में ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज किया। भारत के अग्रणी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार पर इस हाई-वोल्टेज मुकाबले के दौरान 65.2 मिलियन पीक कंकरेन्ट व्यूअर्स दर्ज किए गए, जो दुनिया में किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव इवेंट के लिए अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। इस मैच ने जियोहॉटस्टार पर 619 मिलियन व्यूज़ भी हासिल किए, जिससे यह इतिहास का सबसे अधिक स्ट्रीम किया गया टी20 इंटरनेशनल मैच बन गया। जियोस्टार के वाइस-चेयरमैन उदय शंकर ने कहा, यह जियोस्टार की तकनीकी और रचनात्मक उत्कृष्टता तथा आईसीसी की क्रिकेट को और बड़ा बनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। गुरुवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल को देखने के लिए हर तीन भारतीयों में से एक ने ट्यून इन किया। जब करोड़ों लोग एक साथ मैच देखने आते हैं, तो उसे सुचारु रूप से प्रसारित करने के लिए बेहतरीन तकनीक की जरूरत होती है। यही भविष्य का मनोरंजन है। दोनों पारियों में कुल 499 रन बने इस रोमांचक मुकाबले ने भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया। यह पीक कंकरेन्ट व्यूअरशिप नवंबर 2024 में एक अंतरराष्ट्रीय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म द्वारा बनाए गए 65 मिलियन के पिछले वैश्विक रिकॉर्ड से भी अधिक है। उल्लेखनीय बात यह है कि जियोहॉटस्टार का यह रिकॉर्ड पूरी तरह एक ही बाजार यानी भारत के दर्शकों के दम पर बना, जो लाइव स्ट्रीमिंग में उसकी वैश्विक क्षमता और मजबूत तकनीकी ढांचे को दर्शाता है।

महिला दिवस पर कलर्स की प्रमुख अभिनेत्रियाँ बता रही हैं कि उनके लिए सशक्तिकरण का क्या अर्थ है

प्रियंका चाहर चौधरी, जो कलर्स के सुपरनैचुरल शो 'नागिन' में अनंता का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं मैं चार बहनों वाले परिवार में पली-बढ़ी हूँ, इसलिए मज़बूती हमारे जीवन का स्वाभाविक तरीका था। हमें हमेशा यह सिखाया गया कि स्वतंत्र होना कोई विकल्प नहीं, बल्कि ज़रूरी है। मेरे पिता हमेशा कहते थे - 'अगर तुम दुनिया में कदम नहीं रखोगी, तो सीखोगी कैसे?' मैंने देखा है कि महिलाओं पर लगाए गए कई प्रतिबंध उनकी क्षमता से नहीं, बल्कि सोच और परवरिश से आते हैं। मुझे यह अवसर मिलने का सौभाग्य है कि मैं नागिन में सर्प रानी अनंता का रूप लेकर शक्ति का प्रदर्शन कर सकूँ। हमारी संस्कृति में हम अक्सर देवी शक्ति और महादेव की बात करते हैं, और मुझे लगता है कि यह प्रतीकवाद यूँ ही नहीं है। शक्ति और सौम्यता साथ-साथ रह सकती हैं। मेरी इच्छा है कि और महिलाएँ अपनी 'सुपरपावर' पहचानें - चाहे वह कोई हुनर हो, कोई कला हो या कोई जन्मजात गुण। हर महिला को महिला दिवस की शुभकामनाएँ, जो अपनी प्रखर और कोमल दोनों ही पक्षों को अपनाती है।

मानसी साल्वी, जो कलर्स के शो 'महादेव एंड सन्स' में भानु का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं -मुझे अच्छा लगता है कि महिला दिवस लोगों को रुककर यह सोचने पर मजबूर करता है कि महिलाएँ रोज़ाना किन परिस्थितियों से गुज़रती हैं। लेकिन यह ठहराव सिर्फएक दिन का नहीं होना चाहिए, बल्कि पूरे साल हमारी सोच बदलनी चाहिए। आज मुझे सबसे ज़्यादा उत्साहित करता है यह देखना कि महिलाएँ कितनी मज़बूती से एक-दूसरे के लिए खड़ी हो रही हैं। उस बहनापे में एक शांत शक्ति है - सीमाएँ तय करने में, 'ना' कहने में और उसके लिए माफ़ी न माँगने में। भानु भी ऐसी ही महिला है। वह अपने विश्वासों पर अडिग रहती है, चाहे हालात कितने भी उलझे क्यों न हों। शो का नाम भले ही महादेव एंड सन्स है, लेकिन असल में कहानी को आगे बढ़ाने वाली और अपनी शक्ति गढ़ने वाली महिलाएँ ही हैं। इस महिला दिवस पर मेरी आशा है कि और महिलाएँ अपनी आवाज़ पर भरोसा करें, जगह बनाएँ और खुद पर शक करना बंद करें।

कश्मीरा शाह, कलर्स के शो 'लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से, कहती हैं मेरे लिए महिला दिवस बड़े-बड़े बयानों से

कम और महिलाओं की रोज़मर्रा की ताक़त को स्वीकारने से ज़्यादा जुड़ा है। अब जब मैं दो बच्चों की माँ हूँ, तो मुझे एहसास हुआ है कि उदाहरण देकर नेतृत्व करना कितना महत्वपूर्ण है। मेरे बच्चे हमेशा देखते हैं कि मैं कैसे बोलती हूँ, दबाव को कैसे संभालती हूँ और अपने लिए कैसे खड़ी होती हूँ। मैं चाहती हूँ कि वे मज़बूत महिलाओं का सम्मान करें, उनसे डरें नहीं। मैं चाहती हूँ कि वे समझें कि आत्मविश्वास किसी महिला में सामान्य है।

समूह की चार स्वच्छता सखियों ने बदल दी ग्राम पंचायत की तस्वीर

रायपुर। महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि मन में दृढ़ संकल्प हो, एकता हो और समाज के लिए कुछ करने की भावना हो, तो सकारात्मक परिवर्तन अवश्य लाया जा सकता है। आज कोरिया जिले के अंजनि, हीरा मनी, लीलावती और मित्तल अपने गाँव में स्वच्छता की एक मिसाल बन चुकी हैं और अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। इनका यह कार्य स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनकी मेहनत यह संदेश देती है कि संकल्प, सहयोग और निरंतर प्रयास से गाँव को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

कोरिया जिले में जनपद बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बुडार की चार महिलाएँ अपने अथक समर्पण, मेहनत और एकजुटता के कारण पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। ग्राम पंचायत में रहने वाली श्रीमती अंजनि, हीरा मनी, लीलावती और मित्तल ने ग्राम पंचायत में प्रेरणा का एक नया माहौल बनाया है। ये महिलाएँ पिछले लगभग तीन वर्षों से स्वच्छता दीदी के रूप में लगातार कार्य कर रही हैं और गाँव को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

स्वच्छता दीदी बनकर ये महिलाएँ सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार को गाँव के घर-घर जाकर कचरा संग्रहण का कार्य करती हैं तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करती हैं। वे लोगों को समझाती हैं कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने से गाँव स्वच्छ रहता है और कचरे का सही प्रबंधन संभव होता है।

कार्य के प्रारंभिक दिनों में इन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। गाँव के बहुत से लोग कचरा अलग-अलग देने के लिए तैयार नहीं थे और स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी कम थी। लेकिन इन महिलाओं ने धैर्य, मेहनत और निरंतर प्रयास से घर-घर जाकर लोगों को समझाया। धीरे-धीरे ग्रामीणों की सोच में सकारात्मक बदलाव आया और अब गाँव के प्रत्येक रहवासी नियमित रूप से कचरा देने लगे हैं। जिससे गांव में स्वच्छता का माहौल बना है। श्रीमती अंजनि, हीरा मनी, लीलावती और मित्तल ने बताया कि प्रशासन के सहयोग से उन्हें कबाड़ी का काम करने वाले व्यवसायी से भी जोड़ा गया, जिससे वे सूखे कचरे जैसे प्लास्टिक, कागज और अन्य पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को बेचकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर रही हैं। इस कार्य से प्रत्येक महिला को लगभग 2 से 3 हजार रुपए प्रति माह की आय प्राप्त होती है।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक प्राप्त करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक प्राप्त करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री वैभवी को मिठाई खिलाकर उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुश्री वैभवी अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वैभवी की यह सफलता प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियाँ यह संदेश देती हैं कि लक्ष्य के प्रति समर्पण,अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सुश्री वैभवी अग्रवाल भविष्य में प्रशासनिक सेवा में अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए देश और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी दायित्वों के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर सुश्री वैभवी अग्रवाल के पिता श्री शीतल अग्रवाल और भाई श्री विनायक अग्रवाल उपस्थित थे।

बीजापुर के अंकित की यूपीएससी में सफलता पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वीडियो कॉल पर दी बधाई

बस्तर का युवा अब विश्व के पटल पर आगे बढ़ रहा है - उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

रायपुर। बीजापुर जिले के भैरमगढ़ विकासखंड के छोटे से ग्राम गुदमा के युवा अंकित सकनी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 816वीं रैंक प्राप्त कर पूरे बस्तर संभाग सहित प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अंकित सकनी और उनके पिता श्री चंद्रैया सकनी से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत कर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अंकित से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी मेहनत, लगन और संघर्ष की सराहना की। उन्होंने कहा कि बीजापुर जैसे दूरस्थ और आदिवासी अंचल के छोटे से गांव गुदमा से निकलकर यूपीएससी

जैसी देश की सबसे कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करना अत्यंत प्रेरणादायी उपलब्धि है। यह उपलब्धि न केवल अंकित के परिवार बल्कि पूरे बस्तर और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अंकित से बातचीत के दौरान कहा कि आपने पूरे देश की उम्मीद को जगा दिया है, लोग मुझसे पुछते थे जब नक्सलवाद खत्म होगा तो क्या होगा?... आपकी सफलता इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि जब नक्सलवाद खत्म होगा तो बस्तर में शांति और विकास का वातावरण बनेगा तो यहां के युवा अपनी प्रतिभा के बल पर देश ही नहीं बल्कि विश्व के पटल पर आगे बढ़कर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अंकित जैसे युवा देश की प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और समाज तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देंगे। अंकित की उपलब्धि बस्तर के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद भी दृढ़ संकल्प और मेहनत से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इस अवसर पर अंकित के पिता श्री चंद्रैया सकनी के द्वारा बीजापुर में उनसे हुई आत्मीय भेंट की याद भी साझा की। उनके पिता ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि बेटे की इस सफलता से परिवार और गांव का नाम रोशन हुआ है। वहीं अंकित सकनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को देते हुए कहा कि उनका सपना देश की सेवा करना है।

महिला सशक्तिकरण के नवयुग की ओर अग्रसर छत्तीसगढ़

'महतारी गौरव वर्ष' : महिला सशक्तिकरण के नवयुग की ओर अग्रसर छत्तीसगढ़

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है। मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने इस वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की है। यह पहल केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं है, बल्कि महिलाओं को राज्य की विकास यात्रा के केंद्र में स्थापित करने का सशक्त संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष को 'विश्वास वर्ष' के रूप में शासन-प्रशासन और जनता के बीच भरोसे की पुनर्स्थापना को समर्पित किया। इसके बाद दूसरे वर्ष को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाते हुए अधोसंरचना विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति दी गई। अब तीसरा वर्ष 'महतारी गौरव

वर्ष' के रूप में माताओं और बहनों को समर्पित किया गया है, जिसमें राज्य की अधिकांश योजनाओं का केंद्रबिंदु महिलाएं होंगी। यह क्रम सरकार की संवेदनशील और समावेशी विकास की सोच को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना आज महिला सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। इस योजना के तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जा रही है। अब तक 15 हजार 595 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से महिलाओं को दी जा चुकी है। हाल ही में 24वीं किस्त के रूप में 68 लाख से अधिक महिलाओं को 641 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई।यह नियमित आर्थिक सहयोग महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है। कई महिलाएं इस राशि को केवल घरेलू खर्च तक सीमित न रखकर स्वरोजगार और छोटे व्यवसायों में निवेश कर रही हैं।

बालोद जिले के ग्राम खैरडीह की श्रीमती रोहनी पटेल इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। पति की असमय मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। घर में वृद्ध सास की देखभाल और कॉलेज में पढ़ रहे दो बच्चों की पढ़ाई की चिंता उनके लिए बड़ी चुनौती थी।ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। योजना से मिलने वाली राशि को उन्होंने सावधानीपूर्वक बचत कर अपने खेत में सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया। बीज, खाद और कृषि सामग्री की व्यवस्था कर उन्होंने पूरी मेहनत से खेती की।

आज श्रीमती रोहनी पटेल अपने खेत में उगाई गई ताजी सब्जियों को स्थानीय बाजारों में बेचकर नियमित आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं और बच्चों की पढ़ाई भी निर्बाध रूप से जारी है। उनका यह प्रयास गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन चुका है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम कोरदा की श्रीमती माहेश्वरी यादव भी महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरक मिसाल हैं। पहले उनका जीवन सामान्य गृहिणी की तरह घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित था। लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया।

समूह के सहयोग और परिवार के समर्थन से उन्होंने गांव में एक छोटी किराना दुकान शुरू की। अपनी मेहनत और बेहतर प्रबंधन के बल पर यह दुकान धीरे-धीरे गांव में भरोसेमंद केंद्र बन गई। आज इस दुकान से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की आय हो रही है और वे 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

संपादकीय

भारत की पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी

एआई के नए टूल्स आने से ना सिर्फ भारतीय टेक क्षेत्र, बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था पर आशंकाएं मंडरा रही हैं। गौरतलब है कि गुजरे तीन दशकों में भारत में टेक सेक्टर उपभोक्ता मध्य वर्ग निर्मित करने वाला प्रमुख कारोबार रहा है। जिस समय बड़ी टेक कंपनियों के शेयर भाव में गिरावट का सिलसिला थम नहीं रहा है, नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एवं सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) की बैठक पर निगाहें टिकना लाजिमी है। दुनिया में तकनीक सेवादाता कंपनियों के शेयरों के भाव में गिरावट का सीधा कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए टूल्स का सामने आना है। खासकर अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने अपने क्लाउड ऐप पर ऐसी सेवाएं दी हैं, जिनसे राय बनी है कि वे वो काम करने में सक्षम हैं, जिनकी सेवाएं टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो आदि जैसी टेक कंपनियां देती रही हैं। इसलिए इस महीने ऐसी भारतीय कंपनियों के शेयरों के भाव रोजमर्रा के स्तर पर गिरे हैं। भारतीय टेक शेयरों में गिरावट का बड़ा कारण विदेशी निवेशकों का इनसे पैसा निकालना है। इस घटनाक्रम से ना सिर्फ भारत के टेक क्षेत्र, बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था पर आशंकाएं मंडरा रही हैं। भारत में टेक सेक्टर अर्थव्यवस्था का सिर्फ एक क्षेत्र भर नहीं है। बल्कि गुजरे तीन दशकों में यह उपभोक्ता मध्य वर्ग निर्मित करने वाला प्रमुख कारोबार रहा है। पिछले साल टेक कंपनियों में 58 लाख कर्मी कार्यरत थे। आयकर आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्थायी वेतन से होने वाली कुल आय में टेक कर्मियों का हिस्सा साढ़े 25 प्रतिशत से अधिक रहा। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की कुल तनख्वाह से यह हिस्सा सवा तीन गुना ज्यादा है। एआई से यह क्षेत्र सिकुड़ा, तो जाहिर है, उससे भारत की पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। इसीलिए मंगलवार को हो रही नैसकॉम की बैठक को अहम माना गया है, जिसमें भारत में एआई को अपनाने की गति और उद्योगों पर उसका प्रभाव चर्चा का प्रमुख मुद्दा होंगे। भारतीय टेक कंपनियां आश्वासन देती रही हैं कि एआई के उपयोग से उनके कामकाज पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। उनके मुताबिक एआई दौर की जरूरतों के मुताबिक वे तेजी से खुद को ढाल रही हैं। मगर जिस तरह पिछले वर्ष टीसीएस जैसी कंपनियों ने कर्मचारियों की छंटनी की, उसके मद्देनजर ऐसे से आश्वासनों से ना तो बाजार का रुख बदला है, और ना ही सार्वजनिक चर्चाओं में अंदेशे घटे हैं। तो क्या आज की नैसकॉम की बैठक इस बारे में भरोसा बंधा पाएगी?

लक्ष्मी वर्मा को चुप रहकर काम करने का फल मिला

सुनील दास

भाजपा में चुप रहकर काम करने वालों को उसका फ्ल एक न एक दिन जरूर मिलता है और इस तरह मिलता है और तब मिलता है जब वैसा फ्ल मिलने की उम्मीद नहीं रहती है।राज्य सभा के लिए लक्ष्मी वर्मा का नाम तय हो जाने से साफ हो गया है कि भाजपा में ऐसे लोगों को पसंद किया जाता है और ऊंचा पद दिया जाता है जो हर हाल में चुप रहकर पार्टी का काम ईमानदारी से करते रहते हैं।कई बार मौका मिलने पर उनको विधायक,सांसद प्रत्याशी नहीं बनाए जाने पर भी कोई शिकायत नहीं करता है।लक्ष्मी वर्मा की यह भी खासियत बताई जाती हैं जब पार्टी में उनको कोई पद नहीं दिया जा रहा था तो उन् पर कांग्रेस प्रवेश का दवाब बढ़ गया था, परिवार कांग्रेसी होने के बाद भी वह भाजपा की राजनीति करती रही और कभी कांग्रेस में जाने को सोचा नहीं। उनकी भाजपा के प्रति यह निष्ठा और चुप रहकर काम करने की आदत भी एक कारण है जिसके कारण उन्को भाजपा का राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किया गया है। माना जा रहा था कि इस बार भाजपा राज्यसभा के लिए किसी महिला को अपना प्रत्याशी बना सकती है, इसके लिए तीन लोगों के नाम था जिसमें एक नाम लक्ष्मी वर्मा का था। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भाजपा में कई महिला नेत्रियां ऐसी थीं जिनको राज्यसभा प्रत्याशी बनाया जा सकता था,लक्ष्मी वर्मा को ही क्यों बनाया गया । माना जाता है कि केंद्रीय नेतृत्व ने जातिगत समीकरण के अलावा ओबीसी वर्ग से कुर्मी जाति का प्रतिनिधित्व करती हैं, इसलिए भी उनको राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया गया।बताया जाता है कि उनको राज्यसभा प्रत्याशी इसलिए बनाया गया है कि यहां मुख्यमंत्री आदिवासी वर्ग से है,साहू समाज से केंद्रीय मंत्री व उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं,इसलिए राज्यसभा प्रत्याशी कुर्मी समाज से बनाया गया है। राज्य में ओबीसी व आदिवासी समाज का बड़ा महत्व है,दोनों समाज को भाजपा की राजनीति में संतुलित करने से दोनों समाज की स्थिति राज्य राजनीति में मजबूत होती है। इसका फायदा हर तरह के चुनाव में मिल सकता है। इसके अलावा वह भी जमीन से जुड़ी रही हैं और नीचे से ऊपर आई हैं। बताया जाता है कि उनका राजनीतिक जीवन जमीनी मुद्दों,सामाजित सरोकारों और महिला सशक्तीकरण के प्रति समर्पण का रहा है।बताया जाता है कि उन्होंने वर्ष 1994 में रायपुर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 7 से पार्षद के रूप में राजनीति के क्षेत्र में कदम रखा। नगर की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने क्षेत्र में सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2010 से 2015तक वह जिला पंचायत रायपुर की अध्यक्ष रहीं।कुर्मी समाज व विभिन्न महिला संगठनों से जुड़ी रहीं। वह महिला मोर्चा में रहीं, भाजपा प्रवक्ता भी रहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष पद का दायित्व भी संभाला।उनके नाम की चर्चा विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव के वक्त भी रही।उनको टिकट नहीं दिया गया तो उन्होंने कोई शिकायत नहीं की। जब उनका नाम विधानसभा के लिए चला तो उनकी जगह लक्ष्मी बघेल को टिकट दे दिया। दूसरी बार टंकराम वर्मा को टिकट दे दिया गया। इसी तरह जब उनका नाम लोकसभा चुनाव के समय चला तो उनकी जगह बृजमोहन अग्रवाल को टिकट दे दिया गया।इतनी बार टिकट न मिलने पर कोई भी निराश हो जाता लेकिन लक्ष्मी वर्मा कभी निराश नहीं हुई। पार्टी ने जो काम उनको सौंपा वह काम उन्होंने मन लगाकर किया। राज्य में भाजपा सरकार बनी तो उनको महिला आयोग का सदस्य बनाया गया।वहां उनकी अध्यक्ष किरणमयी नायक से नहीं जमी।लक्ष्मी वर्मा के बारे में यह भी बताया जाता है कि उनका ससुराल व मायका दोनों पक्ष कांग्रेस से जुड़ा रहा है।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवसः 8 मार्च, 2026

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है।

वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया।

जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब 'नारी सशक्तिकरण' शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी-क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पहले कहा था-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।

शक्ति का सबसे पक्का उत्तर रणनीतिक स्पष्टता

सतीश झा

भारत इस आर्थिक कूटनीति की वापसी से परखा गया। आलोचकों का तर्क है कि नई दिल्ली ने दबाव में जल्दी कदम उठाया — कृषि और नीतिगत स्वायत्तता के कुछ मोर्चों पर रियायत दी, जबकि धैर्य बेहतर शर्तें दिला सकता था। जिन देशों ने अधिक घर्षण सहा, उनकी तुलना में भारत का रुख सावधान दिखा। आरोप गंभीर है। उस पर विचार होना चाहिए। लेकिन संदर्भ भी जरूरी है।

जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी व्यापार नीति के केंद्र में फिर से टैरिफ को रखा, तो उन्होंने सिर्फ इस्पात, सोलर पैनल या ज्वार पर टैक्स नहीं लगाया बल्कि उन्होंने अनुमान, पूर्वानुमेयता पर टैक्स लगाने की रीति-नीति बनाई। और उन्होने यह ऐसी दुनिया मेंल क्या जहाँ पूंजी, सप्लाई चेन और कूटनीति सब निश्चितता पर निर्भर हैं। इसलिए हुआ क्या? वैश्विक बाजार, व्यापार. विदेश नीति सभी में अनिश्चितता खुद एक शक्ति का रूप पा गई?

विकासशील देशों के लिए टैरिफ की वापसी एक पुरानी याद जगाने वाली थी। कभी संरक्षण ढाल और सहारा दोनों रहा था — नाजुक उद्योगों को बड़े और पूंजी-संपन्न देशों की मार से बचाकर बढ़ने का मौका देने का तरीका। पूर्वी एशिया ने इसे अनुशासन के साथ अपनाया। चीन ने इसे संयुक्त उपक्रमों, तकनीक हस्तांतरण और निर्यात महत्वाकांक्षा से जोड़ा। संरक्षण पुरानी सोच नहीं था; वह रणनीति था। वैश्वीकरण ने मानो वह अध्याय बंद कर दिया था। औसत टैरिफ घटे, बहुपक्षीय नियम मजबूत हुए, और सुरक्षा की जगह दक्षता ने ले ली। लेकिन ट्रंप की चाल ने संकेत दिया कि व्यापार तकनीकी प्रबंधन से फिर भू-राजनीतिक दबाव के औजार में बदल गया है। टैरिफ अब केवल आर्थिक साधन नहीं रहे; वे मोलभाव के हथियार बन गए, जिन्हें अचानक इस्तेमाल कर रियायतें लेने और रिश्तों को फिर से गढ़ने के लिए तैनात किया गया। भारत इस आर्थिक कूटनीति की वापसी से परखा गया। आलोचकों का तर्क है कि नई दिल्ली ने दबाव में जल्दी कदम उठाया — कृषि और नीतिगत स्वायत्तता के कुछ मोर्चों पर रियायत दी, जबकि धैर्य बेहतर शर्तें दिला सकता था। जिन देशों ने अधिक घर्षण सहा, उनकी तुलना में भारत का रुख सावधान दिखा। आरोप गंभीर है। उस पर विचार होना चाहिए। लेकिन संदर्भ भी जरूरी है।

मान्यताओं पर सवाल- आलोचना कुछ धारणाओं पर टिकी है। पहली यह कि टैरिफ आज भी शिशु उद्योगों की रक्षा के लिए अनिवार्य हैं। यह तर्क उस दौर में सही था जब औद्योगीकरण के लिए सुरक्षित घरेलू बाजार जरूरी थे और पूंजी की कमी में पैमाना निर्णायक होता था। लेकिन आज की वृद्धि — डिजिटल सेवाओं, दवा उद्योग और उन्नत विनिर्माण में — शुरुआत से ही वैश्विक रूप से जुड़ी है। प्रतिस्पर्धा के बिना संरक्षण अक्षमता को स्थायी बना सकता है। असली सवाल यह नहीं कि टैरिफ हैं या नहीं, बल्कि यह कि क्या उनके साथ संस्थागत अनुशासन और तकनीकी उन्नयन जुड़ा है।

दूसरी धारणा यह है कि चीन का रास्ता दोहराया जा सकता है। चीन ने पैमाने, केंद्रीकृत समन्वय और लंबी रणनीतिक दृष्टि को जोड़ा। भारत, एक विशाल संघीय लोकतंत्र, अलग ढंग से काम करता है। यहाँ अधिकार बंटा हुआ है, राजनीति बहस से गुजरती है, और नीतिगत तालमेल धीरे-धीरे बनता है। यह मान लेना कि भारत चीन की संरक्षणवादी क्रमबद्धता की नकल कर सकता है, संरचनात्मक फर्क को नजरअंदाज करना है। तीसरी धारणा यह है कि ट्रंप के टैरिफ मनमाने थे और इसलिए अस्थायी — जिन्हें न्यायिक या संस्थागत दबाव नरम कर देगा। भले कुछ फार्मूले अचानक लगे हों, पर उनकी सोच उनके नजरिए में सुसंगत थी। टैरिफ लेन-देन वाली कूटनीति में दबाव का साधन थे। उनका मकसद बहुपक्षीय आदर्श की रक्षा नहीं, द्विपक्षीय सौदे को मजबूर करना था। कानूनी उलटफेर की प्रतीक्षा रणनीति नहीं भी हो सकती थी; वह खेल की गति को गलत पढ़ना भी हो सकता था।

और फिर भू-राजनीति है। व्यापार विवाद अकेले नहीं होते। भारत-अमेरिका संबंध रक्षा सहयोग, खुफिया साझेदारी, तकनीकी साझेदारी और इंडो-पैसिफिक में चीन संतुलन तक फैले हैं। केवल आर्थिक नजर से रियायत देखना व्यापक गणना को अनदेखा करना है। एक क्षेत्र में रणनीतिक जगह सुरक्षित करने के लिए दूसरे क्षेत्र में समायोजन करना पड़ सकता है।

प्रतिक्रिया से आगे- फिर भी आलोचक एक बात सही कहते हैं= टैरिफ असली युद्धभूमि नहीं हैं। वे लक्षण हैं। यदि भारत की प्रतिक्रिया केवल दाल या पशु-चारे पर शुल्क को लेकर सौदेबाजी तक सीमित रहेगी, तो वह शतरंज की जगह कैरम खेल रहा होगा।

नीतीश कुमार की नई सधी हुई बिहारी चाल के सियासी निहितार्थ

कमलेश पांडे

बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड सुप्रीमो नीतीश कुमार राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी हैं। सियासत के चाणक्य श्री कुमार ने भाजपा के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी केंद्रीय राजनीतिक संभावनाओं को उभारने के लिए दिल्ली कूच करने का अप्रत्याशित फैसला लिया है। भले ही उन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय बिहार की राजनीति में अपेक्षित एक बड़े बदलाव के हिस्से के रूप में लिया है, लेकिन यह भी उनकी लंबे समय से चली आ रही एक अधूरी इच्छा को प्रकट/पूरा करता है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, भाजपा के ओबीसीकरण के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्तर पर सवर्णों की भाजपा नीत एनडीए से बेरुखी से उपजी सियासी परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए ही उन्होंने यह नया कदम उठाया है, जिसे एक तीर से कई निशाने के तौर पर देखा जाने लगा है। देश की समाजवादी राजनीति में भी अब उनका कोई निकट प्रतिद्वंद्वी नहीं बचा है। इसलिए गुरुवार, 5 मार्च 2026 को राज्यसभा की सदस्यता हेतु नामांकन दाखिल करने के साथ ही उनका अब नया भविष्य भी जुड़ा है।

समझा जाता है कि नीतीश कुमार की राज्यसभा सदस्यता की पुरानी अधूरी हसरत अब पूरी हो रही है, क्योंकि वे विधानसभा, विधान परिषद और लोकसभा तो रह चुके हैं, लेकिन राज्यसभा नहीं। वहीं, राज्यसभा सदस्य बनने के बाद राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री, उपप्रधामंत्री, उपसभापति, कद्दावर केंद्रीय मंत्री बनने की उनकी नई सम्भावनाएं बनेंगी। वहीं राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ाने के लिए भी

उनका यह कदम देखा जा रहा है, जहां वे बिहार, सामाजिक न्याय और विकास मुद्दों पर प्रभाव डाल सकें। राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि भाजपा की सलाह पर यह निर्णय लिया गया लगता है, क्योंकि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी (89 सीटें) बन गई है। इससे बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनना आसान हो सकता है, जबकि नीतीश के बेटे निशांत को डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा है। हालांकि, जदयू में उनके इस फैसले पर असंतोष है, लेकिन इसे उनका व्यक्तिगत निर्णय बताया जा रहा है।

वहीं विपक्ष इसे बीजेपी का मास्क हटाने का प्रयास मान रहा है। इससे राजद को पुनः सियासी ऑक्सीजन मिल सकता है। यूँ तो नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार के नए मुख्यमंत्री की घोषणा अभी स्पष्ट रूप से नहीं हुई है, क्योंकि यह प्रक्रिया राज्यसभा चुनाव के परिणाम (16 मार्च 2026) के बाद शुरू होगी। एनडीए में बीजेपी का सबसे बड़ा दावा माना जा रहा है, क्योंकि उनके पास 89 विधायक हैं। हालांकि, संभावित उम्मीदवार के तौर पर सम्राट चौधरी: वर्तमान डिप्टी सीएम और भाजपा विधायक दल नेता, जिनकी दावेदारी सबसे मजबूत है। उनके पास गृह मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग हैं और राजनीतिक अनुभव समृद्ध है। वहीं, विजय कुमार सिन्हा: उपमुख्यमंत्री व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, लेकिन सम्राट से थोड़ा पीछे हैं। वहीं नित्यानंद राय: केंद्रीय मंत्री, BJP से प्रमुख नाम हैं, लेकिन नया चेहरा भी संभव है। अन्य चर्चाएंओं में नीतीश के बेटे निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाए जाने की संभावना है, क्योंकि उनका कोई स्वतंत्र चुनावी आधार नहीं है। जदयू नेता विजय चौधरी ने पुष्टि की कि भाजपा से ही मुख्यमंत्री बनेगा। यह बदलाव एनडीए की आंतरिक रणनीति का हिस्सा लगता है। इससे भी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रभावित होगा। वहीं, निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाने का विचार मुख्य रूप से नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए उठाया जा रहा है। वे लो-प्रोफाइल जीवन जीते रहे हैं, लेकिन पिता के राज्यसभा जाने के बाद जदयू में उनकी एंट्री तय मानी जा रही है। जहां तक राजनीतिक रणनीति की बात है तो नीतीश के राष्ट्रीय स्तर पर जाने से बिहार में भाजपा को मुख्यमंत्री पद मिलेगा, जबकि निशांत को डिप्टी सीएम बनाकर जदयू का प्रभाव कायम रहेगा। हालांकि एनडीए की बैठक में इस पर मुहर लगने की चर्चा है, जो सत्ता समीकरण को संतुलित करेगी। वहीं निशांत अब तक सियासत से दूर रहे, लेकिन उनकी नियुक्ति पिता की लंबी राजनीतिक यात्रा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। यह कदम जदयू कार्यकर्ताओं को एक नया चेहरा देकर पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से है। इसके अलावा मोदी के हनुमान लोजपा कोटे से केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सियासत को चमकाने के लिए भी यह नया फेरबदल संभावित प्रतीत होता है।

विमेंस डे पर महिला स्टाफ को दें ये तोहफे

8 मार्च को महिला दिवस पर महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए ऑफिसों में भी गिफ्ट आदि दिए जाते हैं. ऐसे में तोहफा कुछ ऐसा होना चाहिए कि जो महिलाओं के लिए वाकई हेल्पफुल हो और जिसे देखकर उनके चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाए.

महिलाओं को स्पेशल फील करवाने के लिए वैसे तो किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती, लेकिन हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जिसके पीछे का मुख्य उद्देश्य उनको हर क्षेत्र में आगे बढ़ने, सशक्त बनने के लिए प्रेरित करना और उनके अधिकारों को प्रति जागरुक करना है. इस दिन लोग महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उन्हें थैंक्यू कहने के लिए कुछ स्पेशल करना चाहते हैं और इसलिए कार्यस्थलों पर भी महिला स्टाफ के लिए कई जगहों पर तोहफे दिए जाते हैं. महिला दिवस के दिन अगर किसी महिला को तोहफा देकर उनके प्रति आभार व्यक्त करना हो या फिर उन्हें स्पेशल फील करवाना हो तो उन्हें कुछ गिफ्ट दिए जा सकते हैं जो उनके चेहरे पर मुस्कान ला देंगे. तो चलिए जानते हैं कि महिला स्टाफ को कौन से गिफ्ट दिए जा सकते हैं.

फी स्पा पैकेज का कूपन

ज्यादातर महिलाएं अपने ऑफिस के साथ ही घर का काम भी संभालती हैं और इसी वजह से खुद की सेल्फ केयर के लिए इतना वक्त नहीं निकाल पाती हैं. इसलिए महिला स्टाफ को अगर विमेंस डे पर कोई गिफ्ट देना हो तो फी स्पा पैकेज का कूपन दे सकते हैं. जिससे वो अपनी भागदौड़ भरी लाइफ से कुछ वक्त खुद को दे पाएंगी. ये गिफ्ट देखकर किसी भी महिला को खुशी जरूर होगी.

ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट का कॉम्बो सेट

इसमें कोई दो राय नहीं है कि महिलाएं अपनी ब्यूटी और बालों को लेकर कोई कोताही नहीं बरतना चाहती हैं, इसलिए उनको ब्यूटी और हेयर केयर प्रोडक्ट्स का कॉम्बो सेट दिया जा सकता है. तो फिर इस विमेंस डे महिला स्टाफ के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन है.

तैयार करवाएं ये स्पेशल गिफ्ट हैंपर

महिलाएं अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं रहती हैं या सीधे-सीधे कहें तो वह खुद से पहले फैमिली को रखती हैं और इसी वजह से कई बार उनकी सेहत नजरअंदाज हो जाती है. इसलिए इस विमेंस डे महिला स्टाफ के लिए हेल्थ से जुड़ी चीजों का स्पेशल गिफ्ट हैंपर तैयार करवा सकते हैं. जिसमें, एक स्मार्ट वॉच, योगा मैट, जंपिंग रोप, कुछ सीड्स और नट्स पैक करवा सकते हैं.

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की वस्तु समझकर आदमी अपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किया जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग।

उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था - 'कीर्तिः श्री वाक्च नारीणां
स्मृति मेर्धा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं - 'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'

अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अरघ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मीअनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे- खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

इस थीम के साथ मनाया जायेगा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

विश्वभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च के दिन को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिवस को विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित किया गया है। इस दिवस पर लोगों को महिलाओं के प्रति आदर सम्मान, उनके अधिकारों, उनकी उपलब्धियों को बताने के साथ ही लैंगिग समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। Accelerate Action थीम के साथ मनाया जा रहा इस वर्ष का महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत 20 सदी (सन 1908) सदी की शुरुआत में में महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने के लिए हुई थी। पहली बार अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में महिलाओं ने अपने लिए वोट देने का अधिकार एवं उचित वेतन के लिए मार्च निकाला था। इस मार्च के कुछ साल बाद पहले बार 19 मार्च 1911 में स्विट्जरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क जैसे देशों में पहले बार इस दिन को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र ने 8 मार्च को क्यों मान्यता?

रूस में 8 मार्च 1917 को महिलाओं में अपने हक के लिए हड़ताल की। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने इसी दिन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1975 में आधिकारिक तौर पर इसे 8 मार्च को मनाये जाने की मान्यता दी। इसके बाद से प्रतिवर्ष इसे 8 मार्च को ही सेलिब्रेट किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का क्या है उद्देश्य?

इस दिन को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को याद कर लोगों तक पहुंचाना तथा लैंगिक समानता और महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुड़े इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास। दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरूआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था। सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है।

नए युग की नारी के पास उच्चतम शिखर छूने की अपार क्षमता

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं। इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है। 'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है। नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है।

हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में 'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है। इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

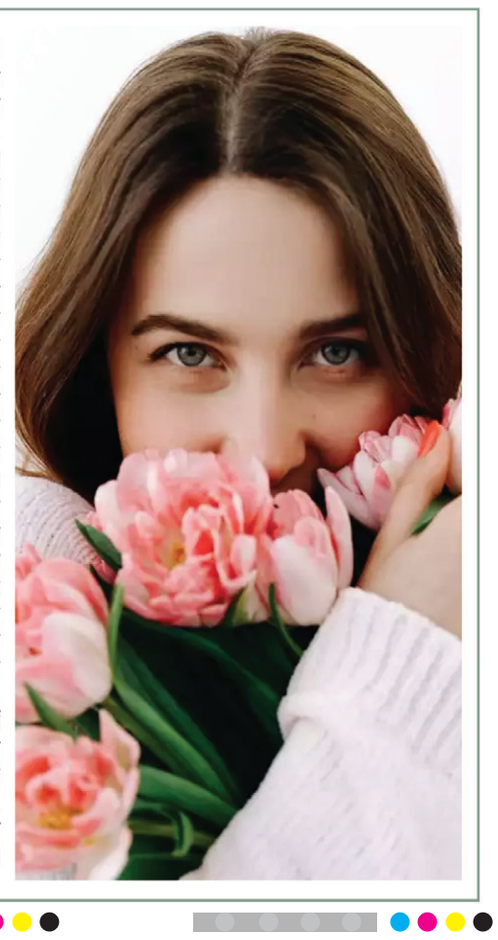

संक्षिप्त-खबर

ग्राम पतोरा में सादगी व सौहार्द के साथ मनाया गया होली पर्व

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। रंगों का पावन पर्व होली ग्राम पतोरा में इस वर्ष सादगी, उल्लास और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। ग्रामवासियों ने भाईचारे और सामाजिक एकता का परिचय देते हुए एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं तथा मिठाई खिलाकर खुशियाँ साझा कीं।

होली के अवसर पर गांव में पारंपरिक नगाड़े की थाप गूंजती रही, जिस पर युवा और बुजुर्ग पारंपरिक लोकगीतों पर झूमते-थिरकते नजर आए। पूरे गांव में उत्सव का माहौल रहा और लोगों ने आपसी प्रेम व सद्भाव का संदेश दिया।

इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि दिवाकर साहू, उपसरपंच हेमराज साहू, मेहतरु साहू, साहू समाज स.तह.थान खमरिया यु. उपाध्यक्ष संतराम साहू, साहू समाज पतोरा के संरक्षक द्वारिका साहू, ग्रामीण साहू समाज के सचिव विनोद साहू, पूर्व पंच श्यामलाल साहू, मोहित साहू, पेखन साहू, पोखन पटेल, हरीश विश्वकर्मा, अनीश विश्वकर्मा, घनश्याम साहू, रामावतार साहू, ईश्वर साहू, यशवंत पटेल, कंशराम साहू, धुर्वा दास मानिकपुरी (कोटवार) सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। होली के इस मिलन समारोह ने ग्राम पतोरा में आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता की मिसाल पेश की।

क्रिश्चियन लीडर्स को दी गई केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी

राजनांदगांव। क्रिश्चियन वेलफेयर सोसायटी, जो शासन से पंजीकृत संस्था है, ने 7 मार्च 2026 को वेसलियन मेथोडिस्ट चर्च, स्टेशन रोड, राजनांदगांव में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में जिले के प्रमुख मसीही नेताओं को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि भारत सरकार का अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय मुसलमान, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी समुदाय के शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रहा है। इनमें पीएमजेवीके, विभिन्न छात्रवृत्तियां, नया सवेरा (मुफ्त कोचिंग), नई उड़ान, सीखो और कमाओ, और एनएमडीएफसी ऋण जैसी योजनाएं शामिल हैं। ये योजनाएं विशेष रूप से शिक्षा और आजीविका बढ़ाने पर केंद्रित हैं। बैठक में भविष्य में मसीही समाज को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने पर भी चर्चा हुई। इसी के तहत निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में जिले के जिम्मेदार सरकारी अधिकारियों के साथ संस्था के पदाधिकारियों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में संस्था के अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल, उपाध्यक्ष चन्द्रमणि वर्मा, सचिव राजमसीह, कोषाध्यक्ष सुरेश दीप, महेश वर्मा, कुमेश लहरे, पंचम सोनी, कमल मेश्राम, गन्नू वर्मा, महेन्द्र मंडल, इकेश साहू, रूपधर सार्वा और केजूराम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ठेलका चौक में तेज रफ्तार सब्जी वाहन बिजली के खंभे से टकराया, दंपति घायल

दुर्ग। धमधा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच ठेलका चौक सोसायटी के पास एक और बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार सब्जी से भरा वाहन अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से जा टकराया, जिससे खंभा क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में लक्ष्मण और उनकी पत्नी सविता घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धमधा में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर धमधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि खैरागढ़-धमधा मार्ग पर लगातार सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। लोगों ने प्रशासन से ठेलका चौक और डेल्टा चौक के पास स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाने की मांग की है। हादसे के बाद क्षेत्र में लोगों में डर और नाराजगी का माहौल है।

तेज रफ्तार ट्राइबर ने बाइक को मारी टक्कर, युवक गंभीर घायल, चालक पर मामला दर्ज

बसना (समय दर्शन)। बसना थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम फरफैद निवासी युवक ने थाना बसना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दिनांक 27 फरवरी 2026 को शाम करीब 7:20 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल होंडा शाइन क्रमांक CG04 रु 2984 से अपने साथी भागवत यादव के साथ किसी काम से

ग्राम गढ़पटनी जा रहा था।

रिपोर्ट में बताया गया कि जब वे टाइल्स गोदाम के पास पहुंचे, उसी दौरान सामने से आ रही सफेद रंग की रेनाल्ट ट्राइबर क्रमांक CG04 - 5981 के चालक ने वाहन को तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में पीछे बैठे भागवत यादव को दाहिने पैर और घुटने के पास गंभीर चोट आई।

घटना के बाद घायल को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी बसना लाया गया, जहां डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स अस्पताल रायपुर रेफर कर दिया। वर्तमान में घायल का इलाज रायपुर में जारी है।

पीड़ित की रिपोर्ट पर बसना पुलिस ने ट्राइबर वाहन चालक के खिलाफ धारा 125(ए) बीएनएस एवं 281 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

थाना महासमुंद पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट के तहत् की गई कार्यवाही

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद पुलिस द्वारा थाना महासमुंद के अपराध सदर में धारा 25 आर्म्स एक्ट अंतर्गत 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर भेजा गया गिरफ्तार आरोपी- 01. दीपक देवांगन पिता जितेन्द्र देवांगन उम्र 30 साल, सा0 वार्ड नं. 06 नयापारा महासमुन्द छ0ग0 02. मो. इलियास खान पित इकबाल खान उम्र 31 साल, सा0 वार्ड नं. 04 संजय नगर नयापारा महासमुन्द छ0ग0 दिनांक 06.03.2026 को मुखबीर से सूचना मिला कि, एक व्यक्ति तारिणी मंदिर नयापारा के पास चाकू लहराकर लोगों को डरा रहा है कि, सूचना पर हमराह स्टॉफ को साथ लेकर घेराबंदी कर आरोपी मो. इलियास खान 01 नग चाकू के साथ पकड़कर आरोपी के खिलाफ थाना महासमुन्द में अप0क्र0 111/2026 धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाहीं किया गया है।

इसी प्रकार से दिनांक 07.03.2026 को

मुखबीर से सूचना मिली की नयापारा गौसिया मस्जिद के पास एक व्यक्ति अपने हाथ में धारदार चाकू लेकर लहराते हुए आने-जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है कि सूचना पर तत्काल थाना कोतावाली स्टॉफ को रवाना किया गया, सूचक के बताये स्थान पर एक व्यक्ति अपने हाथ में एक धारदार हथियार को लहराते हुए मिला जिसे घेराबंद कर पुलिस गिरफ्त में लिया गया। पुछताछ करने पर अपना नाम पता दीपक देवांगन पिता जितेन्द्र देवांगन उम्र 30 साल, सा0 वार्ड नं. 06 नयापारा महासमुन्द छ0ग0 का रहना बताया। आरोपी कब्जे से 01 धारदार चाकू बरामद कर आरोपीयों का कृत्य अपराध धारा आर्म्स एक्ट का पाये जाने से विधिवत् कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा पर भेजा गया। संपूर्ण कार्यवाही थाना महासमुंद पुलिस द्वारा किया गया।

रायपुर के छत्तीसगढ़ क्लब में बॉक्स क्रिकेट का रोमांच, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

अग्रवाल प्रीमियर लीग में शामिल हुए बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल,बोले-खेलों से बढ़ती है सामाजिक एकजुटता

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने टॉस कर किया मैच का शुभारंभ, समाज को दिया एकता और स्वास्थ्य का संदेश

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के प्रतिष्ठित छत्तीसगढ़ क्लब में 'अग्रवाल प्रीमियर लीग 4.0' बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस खेल महोत्सव में बसना विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय और जनप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उनके आगमन से खिलाड़ियों और आयोजकों में भारी उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम में पहुँचते ही विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने सर्वप्रथम महाराज अग्रसेन जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने समाज की सुख-समृद्धि के साथ-साथ समस्त प्रदेशवासियों की खुशहाली और उन्नति की मंगल कामना की।

अपने संबोधन में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अग्रवाल प्रीमियर लीग 4.0 बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह हमारे अग्रवाल समाज की एकजुटता और युवाओं की प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त मंच है। ऐसे आयोजनों से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि आपसी भाईचारा और प्रेम की भावना भी प्रगाढ़ होती है।

उन्होंने आगे कहा कि आज के व्यस्त समय में खेल हमें तनाव मुक्त रखने और टीम भावना से कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। मुझे खुशी है कि हमारा समाज अपनी परंपराओं के साथ-साथ आधुनिक खेलों के माध्यम से युवाओं को नई दिशा प्रदान कर रहा है। बसना क्षेत्र हो या रायपुर, युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए मैं सदैव आपके साथ खड़ा हूँ।

उद्बोधन के पश्चात विधायक डॉ. संपत अग्रवाल क्रिकेट पिच पर पहुँचे और दोनों प्रतिस्पर्धी टीमों के कप्तानों के बीच सिक्का उछालकर टॉस कराया। उन्होंने खिलाड़ियों से हाथ मिलाया और उन्हें खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

मैदान में उत्साह बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि मैदान में हार-जीत तो चलती रहती है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है आपका संघर्ष और खेल के प्रति आपका समर्पण। आप सभी खिलाड़ी इसी तरह अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं और समाज व प्रदेश का नाम रोशन करें।

इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों ने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल का आत्मीय स्वागत किया और समाज के प्रति उनकी निरंतर सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में हरिभूमि प्रधान संपादक हिमांशु द्विवेदी,मनमोहन अग्रवाल, लल्लूराम के संपादक नमित जैन,संजय नेतराम अग्रवाल,कमल गुप्ता,युवा मंडल अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल,संजय अग्रवाल,बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

संघर्ष और मेहनत की मिसाल : सोनम श्रीवास्तव बनीं मिसेज इंडिया, महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। समाज सेवा, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यरत सोनम श्रीवास्तव आज न केवल स्थानीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर कई महिलाओं और बच्चियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। यूएचएफसी फाउंडेशन की संस्थापक सोनम ने अपने जीवन का लक्ष्य समाज में शिक्षा का प्रसार और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना बनाया है।

सोनम श्रीवास्तव पाठशाला की डायरेक्टर हैं और पहले ड्रीम इंडिया स्कूल की प्रिंसिपल रह चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने मिसेज एशिया, मिसेज इंडिया और मिसेज छत्तीसगढ़ जैसे राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में खिताब अपने नाम किए।

समाज सेवा की शुरूआत बचपन से

सोनम ने बताया कि उनकी समाज सेवा की यात्रा कक्षा 8वीं में ही शुरू हो गई थी, जब उन्होंने अपने पड़ोस की बच्चियों को पढ़ाना शुरू किया। आज तक उन्होंने 5000 से अधिक बच्चियों को शिक्षा प्रदान की है। वे गरीब बच्चों के लिए फ्री इंग्लिश क्लास संचालित करती हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन देती हैं। इसके अलावा, महिलाओं और युवतियों के लिए पर्सनैलिटी डेवलपमेंट की कक्षाएं भी लेती हैं।

सफलता की राह में चुनौतियां

सोनम ने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना किया। एक समय उनके शरीर में 38 प्रतिशत तक पानी की समस्या हो गई थी। लेकिन मात्र दो महीने में उन्होंने हिम्मत और आत्मविश्वास के बल पर मिसेज ब्यूटी आइकॉन ऑफ इंडिया का खिताब जीता और ब्रेन एंड ब्यूटी अवॉर्ड से सम्मानित हुई। इसके बाद दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में मिसेज इंडिया का खिताब जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया।

प्रमुख सम्मान

नेपाल के राष्ट्रपति से गैलेक्सी अवॉर्ड
दादासाहब फाल्के अवॉर्ड
कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, दिल्ली से वुमन ऑफ द ईयर
नारी रत्न अवॉर्ड
इंडिया की टॉप 30 विजनरी में स्थान
एशिया की टॉप 100 महिलाओं में शामिल

महिलाओं के लिए संदेश

सोनम ने कहा, महिलाएं अपनी कमियों से कभी न डरें। लगातार खुद को बेहतर बनाने का प्रयास करें। सेल्फ ग्रमिंग, एक्सरसाइज और शिक्षा पर ध्यान दें। जो चीज नहीं आती, उसे सीखें। मेहनत और प्रतिभा ही आपकी पहचान बनती है।

सोनम श्रीवास्तव न केवल मिसेज इंडिया का खिताब जीतकर गौरव हासिल कर रही हैं, बल्कि समाज सेवा और महिलाओं के सशक्तिकरण में भी मिसाल कायम कर रही हैं।

थाना कोमाखान पुलिस एवं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा पर कार्यवाही

बागबाहरा (समय दर्शन)। पुलिस महकमे में प्रशासनिक अदला बदली के साथ महासमुन्द पुलिस को नया एस पी सहित थाना प्रभारियों एवं थाना स्टाफ का आमूलचूल परिवर्तन से अपराध पर शिकंजा कसता जा रहा है।

इस तारतम्य में जिलांतर्गत थाना क्षेत्रों में हो रहे अवैध शराब निर्माण व परिवहन तथा गांजा तस्करी जैसे अपराध पर अंकुश लगा है।

02 अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करों सहित 03 गिरफ्तार 10 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त, कीमत -5 लाख रूपये परिवहन में प्रयुक्त एक मोटर सायकल हीरो स्प्लेण्डर क्रमांक सीजी 04 एनजे 8116 एवं एक स्कूटी क्रमांक सीजी 04 एनसी 0372 जप्त मादक पदार्थ गांजा सहित कुल जप्त संपत्ति की किमत करीब 6 लाख 30 हजार रूपये वर्ष 2026 में अब तक 15 करोड़ 22 लाख 23 हजार कीमत के 3051.511 किलो ग्राम गांजा जप्त, 128 तस्कर गिरफ्तार जिसमें से 95 छत्तीसगढ़ के बाहर एन्टी नारकोटिक्स फोर्स व थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थो की स्मगलिंग पर नियंत्रण एवं सक्त कार्यवाही की दिशा में जिले में पुलिस के द्वारा लगातार जॉच चेकिंग कार्यवाहीं की जा रही है। दिनांक 06.03.2026 को मुखबीरी सूचना के आधार पर 03 व्यक्ति दो मोटर सायकल से राजमार्ग उड़ीसा से महासमुन्द की ओर गांजा लेकर आने कि सूचना मिली। थाना क्षेत्र में सघन

वाहन चेकिग कार्यवाही की जा रही थी की सामने से मुखबीर द्वारा बताये गये वाहन को आते देखा गया, घेराबंदी कर वाहनों को रोका गया व पूछताछ किया गया तथा वाहन एवं रखे सामाग्री की जॉच करने पर स्प्लेडर बाईक की सीट में रखी बोरी के अंदर 07 किलो एवं स्कूटी के डिक्की में प्लास्टिक झिल्ली में 03 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा ले जाते पाया गया। आरोपियों के कब्जे से कुल 10 किलो गांजा जिसकी किमत 500000 रूपये एवं परिवहन हेतु प्रयुक्त वाहन मोटर सायकल व स्कूटी जप्त किया गया है। तीनो आरोपियों को विधिवत् गिरफ्तार कर थाना कोमाखान में अपराध क्रमांक 29/2026 धारा 20(बी)(पप) नार.एक्ट कायम किया गया है। प्रकरण के आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश की कार्यवाहीं की जा रही है, यह संपूर्ण कार्यवाहीं एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स एवं थाना कोमाखान पुलिस की टीम के द्वारा गई। गिरफ्तार आरोपी का नाम- 01. चुनेलाल बाग पिता टुरू बाग उम्र 19 साल निवासी परवांसर थाना राजा खरियार जिला नुआपाड़ा उड़िसा 02. चंद्रा ताण्डी पिता वासु ताण्डी उम्र 30 साल निवासी बरगांव थाना बुढ़ेन जिला नुआपाड़ा उड़िसा 03. संदीप देवनानी पिता अशोक उम्र 20 साल निवासी सुभाषनगर गली नं. 01 तेलीबांधा थाना तेलीबांधा जिला रायपुर। जप्त सम्पत्ति- (01.) 10 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा किमत 05 लाख रूपये। (02.) मोटर सायकल हीरो स्प्लेण्डर क्रमांक सीजी 04 एनजे 8116 किमत करीब 50 हजार रूपये (03.) एक स्कूटी क्रमांक सीजी 04 एनसी 0372 किमत करीब 50 हजार रूपये। (04.) 03 नग मोबाईल किमती 30 हजार रूपये। कुल जप्त सम्पत्ति किमत करीब 6 लाख 30 हजार रूपये।

खबर-खास

राज्य महिला आयोग की महा जनसुनवाई दुर्ग जिले में 11 मार्च को, 7 जिलों के 113 प्रकरणों की होगी सुनवाई

दुर्ग/ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को त्वरित राहत और न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा महा जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। दुर्ग संभाग की महा जनसुनवाई 11 मार्च 2026 को प्रेरणा सभाकक्ष जिला महिला एवं बाल विकास विभाग परिसर दुर्ग में आयोजित होगी। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष जनसुनवाई में दुर्ग संभाग के सात जिलों के कुल 113 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। इनमें दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, कबीरधाम, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों के मामले शामिल हैं। राज्य महिला आयोग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले साढ़े पांच वर्षों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगभग 370 जनसुनवाई आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें करीब 8000 से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया है। इसी अनुभव को आगे बढ़ाते हुए इस बार संभाग स्तर पर महा जनसुनवाई अभियान चलाया जा रहा है। महा जनसुनवाई सुबह 10 बजे से शुरू होगी। जिन आवेदकों के प्रकरण सूचीबद्ध हैं, उन्हें स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य है। वही जो महिलाएं अब तक आवेदन नहीं कर पाई हैं, वे भी सुनवाई स्थल पर अपना नया आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं।

लखपति दीदी योजना से आत्मनिर्भर बनीं यशोदा मरकाम

बेमेतरा/- महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित लखपति दीदी योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसी योजना का लाभ लेकर यशोदा मरकाम आज आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और उनकी सफलता अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। यशोदा मरकाम जय मां शक्ति स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। पहले उनके परिवार की आय सीमित थी, जिससे घर की आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो जाता था। लेकिन स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें नई दिशा मिली और उन्होंने अपने जीवन में बदलाव लाने का संकल्प लिया। लखपति दीदी योजना के तहत यशोदा मरकाम ने 5 लाख रुपए का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और आय के नए साधन विकसित करने में किया। उनकी मेहनत और लगन के कारण आज उनका काम अच्छी तरह से चल रहा है। आज यशोदा मरकाम की वार्षिक आय लगभग 1 लाख 50 हजार से 2 लाख रुपए तक पहुंच चुकी है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और वे अपने बच्चों की पढ़ाई तथा परिवार की अन्य जरूरतों को भी आसानी से पूरा कर पा रही हैं। यशोदा मरकाम इस उपलब्धि का श्रेय शासन की योजनाओं को देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का आभार व्यक्त करती हैं। उनका कहना है कि सरकार की इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है और अब वे अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार का सहयोग कर पा रही हैं। यशोदा मरकाम की यह सफलता दर्शाती है कि यदि महिलाओं को सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उनकी यह प्रेरक कहानी अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही है।

जंगली हाथी ने उपार्जन केंद्र के मंडी प्रभारी को कुचलकर मार डाला, पत्नी ने भागकर बचाई जान

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कोरकोमा क्षेत्र स्थित कुदमुरा उपार्जन केंद्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। एक जंगली हाथी ने मंडी प्रभारी पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 42 वर्षीय राजेश कुमार सिंह राजपूत के रूप में हुई है, जो रजगामार का निवासी था। घटना में उनकी पत्नी ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार यह घटना बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे हुई। उस समय राजेश अपनी पत्नी के साथ उपार्जन केंद्र परिसर में बने अस्थायी झोपड़ी में सो रहे थे। इसी दौरान अचानक एक जंगली हाथी वहां पहुंच गया और राजेश पर हमला कर दिया। पत्नी की चीख-पुकार के बावजूद रात में आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे उन्हें बचाया नहीं जा सका।

घटना के बाद ग्रामीणों को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद वन विभाग को भी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने की कार्रवाई की। हालांकि बताया जा रहा है कि हाथी अभी भी आसपास के इलाके में विचरण कर रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगवारी महिला मंच सम्मेलन सांस्कृतिक कार्यक्रम

गरियाबंद (समय दर्शन)। संगवारी महिला मंच और लोक आस्था सेवा संस्थान के द्वारा पीएचएफ के सहयोग अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगवारी महिला मंच सम्मेलन सांस्कृतिक भवन गरियाबंद में आयोजित किया गया। जिसमें छूरा और गरियाबंद ब्लॉक से 300 महिलाएं शामिल हुईं।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यशवंत वासनीकर न्यायाधीश की स्वागत अनेशी बाई और बी आर साहू जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश का स्वागत खोमेश्वरी के द्वारा और माननीय न्यायाधीश खुशबू जैन का स्वागत धीरजा बाई के द्वारा किया गया।इसके बाद न्यायाधीश खुशबू जैन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सभी को बधाई देते हुए बताया कि महिलाओं को 1909 में पहली बार वोट का अधिकार प्राप्त हुआ।जिससे राजा के चुनाव में वे भागीदार हुई जहां से आज की महिलाएं प्रशासनिक सेवाओं से लेकर राज्यपाल, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तक के देश के सर्वोच्च पद आसीन हो चुकी है। जो कि महिलाओं की वर्चस्व की कहानी को बताती है।इसके तत्पश्चात् बी आर साहू जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश न्यायालय गरियाबंद के द्वारा संगवारी महिला मंच के मुखियाओं से उनके कार्यों के बारे में जानकारी लिया जिस पर मुखिया दीदी ने बताए और फिर महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए उसका अर्थ समझाया और महिला घरेलू हिंसा के बारे बताया साथ ही उनके रोकथाम के लिए किए गई प्रावधानों को स्पष्ट रूप से बताते हुए समाज में महिलाओं के महत्व के बारे में जानकारी दिया।इसके बाद यशवन्त वासनीकर फास्ट्रैक पास्को न्यायालय गरियाबंद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के ऐतिहासिक सफर के बारे में जानकारी दिया,जिसमें 1908 से महिला दिवस मनाया जा रहा है। इसके बाद भारत में महिलाओं के में बताया और पितृ सत्ता पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं के संवैधानिक अधिकार के बारे में जानकारी दिया। इसके बाद महिला बाल संरक्षण अधिकारी लता पटेल द्वारा महिलाओं के संरक्षण के लिए जो कानून है उसके बारे में बताया गया।सखी वन स्टॉप सेंटर से किरण ने सखी वन स्टॉप योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दिया।संस्था अध्यक्ष हेम नारायण मानिकपुरी द्वारा सभी अतिथियों के अभार व्यक्त करते हुए समाज में समानता के लिए महिलाओं के योगदान के बारे में बताया गया । संस्थान सचिव लता नेताम ने संगवारी महिला मंच द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए सभी मुखिया का साल भेंटकर सभी का सम्मान किया गया व महिलाओं को अपने हक के लिए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम में देवकीबाई, सावित्री, अनेशी, गणेशी,रेनू, बद्रिका,बासन, गोदामनी दुर्गेश्वरी ने भी अपनी विचार रखें।कार्यक्रम का संचालन अहिल्या ऋतु के द्वारा किया गया।पूरे कार्यक्रम में गीत व नृत्य से सभी को आनंदित किया।

नाबालिग से अनाचार, आरोपी को भेजे जेल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले मे बीते दिनो एक ग्राम में नाबालिग के साथ शारिरिक शोषण करने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। घटना के विषय में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वो रोजी मजदुरी की काम करते है।उसी ग्राम के जीवन जांगडे के द्वारा प्रार्थी के नाबालिग बेटी के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर अनाचार करने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई लिखित आवदेन के आधार पे बताया की जीवन जांगड़े द्वारा उसकी नाबालिक बेटी को शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाया है।प्रार्थी की बेटी का उम्र 17 वर्ष 7 माह 20 दिन की है,प्रार्थी की बेटी ने बताई कि दिसम्बर माह में गांव के जीवन जांगड़े के खेत में खेती किसानी मजदुरी काम करने जाती थी जो मजदुरी के दौरान जीवन जांगड़े निवासी के द्वारा को नाबालिक जानते हुये भी शादी का प्रलोभन देकर जबरदस्ती 18 से 31 दिसम्बर 2025 के बीच जबरदस्ती कई बार शारीरिक संबंध बनाया है। जीवन जांगड़े के द्वारा राजनितिक प्रमुख और मेरा सभी विभागो में जान पहचान की धोस देकर किसी को घटना के बारे में बताने से पीड़िता और उनके घर वालो को जान सहित मरवा देने की धमकी देने की बात बताई है।घटना के बारे में जानकारी होने पर 5 मार्च 2026 को प्रार्थी अपने पति एवं नाबालिक पुत्री के साथ जीवन जांगड़े के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई।घटना की रिपोर्ट के आधार पे आरोपी के विरूद्ध धारा 64(2)(ड), 351(3), 87बीएनएस 4,6 पॉक्सो एक्ट कायम कर आरी को गिरफ्तार कर पूछ ताछ करने पर आरोपी के द्वारा आरोप को स्वीकार किया गया, जिसके तहत आरोपी जेल दाखिल किया गया।

एप्सटीन फाइल्स को लेकर किये पुतला दहन

गरियाबंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला कांग्रेस अलका लांबा एवं प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस श्रीमती फूलों देवी नेताम के निर्देशानुसार जिला महिला अध्यक्ष मंजू श्रू प्रदेश सचिव श्रद्धा ठाकुर के नेतृत्व में ब्लॉक अध्यक्षों एवं शहर पदाधिकारी के द्वारा एप्सटीन फाइल्स में हुए खुलासों को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का स्थानीय तिरंगा चौक में पुतला दहन और हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें जिला महिला कांग्रेस की सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला के निर्देशानुसार पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार स्थानीय जिला महिला कांग्रेस द्वारा जिला कांग्रेस भवन से केंद्र सरकार और एप्सटीन फाइल्स में हुए खुलासों को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला लेकर तिरंगा चौक पहुंचे जहां पुतला दहन को लेकर कांग्रेस महिला संगठन और पुलिस टीम के बीच काफी झुमाझटकी हुई।वही पुतला दहन के पश्चात हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।ऐ दौरान जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस श्रीमती मंजू ध्रुव,प्रदेश सचिव श्रीमती श्रध्दा ठाकुर, राजकुमारी सोनी,महेश्वरी शाह,पुष्पा ध्रुव,लक्ष्मी ध्रुव,प्रतीभा पटेल,सविता गिरी,परमजीत कौर,चंदा बारले,भुमि लता,प्रियंका शुक्ला,कल्याणी,हेम लता सिन्हा,जानकी निर्मकर,सुमन देवांगन,देश बाई , श्वेता चन्द्राकर,परनिया सिन्हा,प्रियंका कपिल योगेश्वरी साहु,कुन्ती साहु,केसर साहु,लुकेश्वरी साहु, चमेली बाई,बेद बाई,सुखबती टान्डे,लक्ष्मी नेताम, सुकारो,युगल किशोर पाण्डेय,अमित मिरी,अमृत पटेल,नेपाल यादव,नूतन,अवध राम यादव,वीरू यादव कादर हिंगोरा भानु प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एस 26 सीरीज की अर्ली डिलीवरी शुरू करने की घोषणा की

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज भारत में उन ग्राहकों के लिए अपनी सबसे उन्नत एआई-आधारित स्मार्टफोन लाइन, गैलेक्सी एस 26 सीरीज की अर्ली डिलीवरी (समय से पहले डिलीवरी) की घोषणा की है, जिन्होंने इन डिवाइसेज को प्री-बुक किया था। गैलेक्सी एस 26 सीरीज - जिसमें एस 26 अल्ट्रा, एस 26+ और एस 26 शामिल हैं - मोबाइल फोन के लिए दुनिया का पहला बिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्प्ले पेश करती है, जो डिस्प्ले अनुभव की एक नई श्रेणी की शुरुआत करता है। साथ ही इसमें एजेंटिक एआई है, जो चुपचाप रोज़मर्रा के काम संभाल लेता है ताकि यूज़र्स उन चीज़ों पर ध्यान दे सकें जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं।

गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है, जो इसके 7.9 मिमी के पतले डिज़ाइन में सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू के प्रदर्शन में भारी सुधार लाता है। इसमें सुपर-फास्ट चार्जिंग 3.0 की सुविधा है, जिससे यह सिर्फ 30 मिनट में लगभग 75प्र तक चार्ज हो सकता है। कैमरे के मामले में भी गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इसमें बेहतर लो-लाइट फोटोग्राफी के लिए बड़े अपर्चर और कम रोशनी में भी जीवंत व स्पष्ट फुटेज के लिए बेहतर नाइटोग्राफी वीडियो शामिल है। इसकी अपग्रेडेड सुपर स्टेडी; तकनीक वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान स्थिर फ्रेमिंग सुनिश्चित करती है। इसके एआई आईएसपीमें सुधारों का लाभ सेल्फी कैमरे को भी मिलता है, जो हर तरह की रोशनी में प्राकृतिक स्किन टोन्स और बारीक डिटेल्स देता है। विशेष रूप से, यह डिवाइस एडवांस्ड प्रोफेशनल वीडियो मानक को सपोर्ट करने वाला पहला गैलेक्सी फोन है, जो हाई-क्वालिटी वीडियो को कुशलता से कंप्रेस करने में मदद करता है। नई सीरीज में एआई एडिटिंग टूल्स को अपग्रेड किया गया है, नाउ ब्रीफ और बेहतर सर्किल टू सर्च जैसे रियल-टाइम फीचर्स जोड़े गए हैं।

कांग्रेस का होली मिलन समारोह में पूर्व विधायक और जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को गले लगाकर दी बधाई

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस द्वारा शनिवार को जिला कांग्रेस भवन में नए जिला अध्यक्ष और पदाधिकारीयों का परिचय सम्मेलन संग होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा,पूर्व विधायक अमितेश शुक्ला,जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम शामिल थे।वही कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों के संग सदस्यों का परिचय होने के पश्चात आपस में उपस्थित सभी लोगों को रंगों के त्योहार होली की हार्दिक बधाई देते हुए उन्हें अबीर और गुलाल के रंग लगाए ,जिसमें काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और उनके समर्थक समारोह में पहुंचे और अतिथियों के साथ जमकर होली खेलते हुए कार्यकार्यताओं ने एक-दूसरे से गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं।वही कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमितेश शुक्ल ने कहा कि सालों से लोगों ने उन्हें भरपूर प्यार और स्नेह दिया है।होली मिलन कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं के आने से बहुत खुशी मिली है।मै पद में रहकर क्षेत्र के विकास के लिए दिन रात मेहनत किया हूं।राज्य में बीजेपी की सरकार काफी मनमानी कर रही है अब समय आ गया जनता तक उनकी गलत नीति को पहुंचाने और कांग्रेस के कार्यकाल में किए जनता के हित को बताने का।

वही जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने नव नियुक्त पदाधिकारियो के परिचय के साथ होली की बधाई देते हुए कार्यकर्ताओं से कहा कि कार्यकर्ता पार्टी के कर्णधार होते है,उन्होंने आगे कहा कि जनता तक हमें बीजेपी के नाकामियों को गिनाने और कांग्रेस पार्टी के पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचानेका समय आ गया है,हमें हर परिस्थिति से जनता तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक पार्टी की उपलब्धियों को ले जाना है,पार्टी के संगठन की मजबूती हमारा मुख्य उद्देश्य होगा।पार्टी एक परिवार है,हम उसके सदस्य है,हमें पार्टी के द्वारा महत्वपूर्ण कार्य को अनुशासन में रहकर सौंपा है उसे पूरा करना है।आज जिले में गर्मी के मौसम प्रारंभ होते ही पानी की समस्या बढ़ने लगी है,बाँध का पानी महासमुंद जा रहा है,शिक्षा स्वास्थ्य जैसे कई समस्या है,इन सब को उजागर करना है।

कार्यक्रम में संजय नेताम ने होली की बधाई देते हुए कहा कि पदाधिकारी को धरातल में पहुंचकर कांग्रेस की विचारधारा जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हमारी है।हमें राहुल गांधी की सोच के अनुसार कार्य करना है,कांग्रेस देश के हर वर्ग किसान गरीब मजदूर व्यापारी सब के हित को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है,साथ ही पार्टी के हर कार्यकर्ता को सम्मान मिले,ताकि वो बूथ लेबल तक पहुंचकर जनता के हित और पार्टी संगठन के हित में कार्य करे।कार्यक्रम को शैलेंद्र साहू,पन्नालाल ध्रुव और पुष्पा साहू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ओंकार ठाकुर महामंत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सन्नी मेमन राजेश साहू पदमा दुबे चन्द्रभूषण चौहान,सेवा, यशवंत सोरी,गुप्ता,बिमला साहू,पद्मार यादव,अजय बाजपेयी नंदनी त्रिपाठी सविता गिरी,रंभा कवर,ममता फुलझेले,नीतू देवदास, प्रतिभा पटेल,ज्योति सहनी, मुकेश रामटेके,नादिर कुरैशी,जुनैद खान चन्द्रभूषन चौहान,शेष नारायण चौहान,अभिलाष पटेल,छगन राठौर,रंजीता पटेल, दयालु नेताम,राजेंद्र यादव,पप्पू हरपाल छगन यादव,बीरेन्द्र सेन,पूना यादव,दिव्या कश्यप,योगेश बघेल,निकेश यादव,मंजरी गुप्ता, सरिता सेन,टीकम तारक मक्कू दीक्षित,समद खान, विकास तिवारी, करीम खान,मनोज यादव जानकी बाई ध्रुव,गणेश जी ठाकुर नजमा सोनवानी केसरी नेताम भूपेंद्र सिन्हा लोकेश्वरी यादव कुंती बाई कश्यप रेखा देवांगन ताराबाई साहू मालती नागेश पिंकी निषाद केसरी नेताम तनीषा नेताम अनीता बघेल सोनू भाई बघेल सविता सिन्हा बसंती यादव उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मैं लता जय पति जय थॉमस निवासी डेहलिया-691, तालपुरी बी ब्लॉक सिविक सेन्टर मिलाई दुर्ग (छ.ग.) 490006 यह शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि मेरा पूरा नाम लता जय पति जय थॉमस मन्नानाल है। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे पूरा नाम लता जय पति जय थॉमस मन्नानाल से ही जाना पहचाना जावें।

लता जय
पति जय थॉमस
मन्नानाल डेहलिया-691,
तालपुरी-बी ब्लॉक सिविक
सेंटर भिलाई,
दुर्ग (छ.ग.) 490006

न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.

रा.प्र.क. 2022041009000031अ-19 (1) वर्ष 2021-22

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम पाटन प.ह.नं. 35 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक नगर पंचायत पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा आत्मानंद चौक के पास पुराने सामुदायिक भवन को तोड़कर व्यावसायिक परिसर निर्माण कार्य हेतु ग्राम पाटन पह0नं0 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 375/1 रकबा 4.75 हे0 के भाग को आबंटन एवं आधिपत्य प्रदान करने आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार आबंटन कि कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 13.03.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27.02.2026 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीद्वार
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

// कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग //

-:: मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक / ज0प्र0वि0 / 2025-26 / 45 दुर्ग, दिनांक- 06.03.2026

नगर पालिक निगम, दुर्ग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नॉन एस.ओ.आर. दर पर निम्नांकित कार्य हेतु स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से निम्नांकित तिथि को निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 13.03.2026
निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि - 20.03.2026
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 25.03.2026
निविदा खोलने की तिथि - 27.03.2026 शाम 4.30 बजे

क्र0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रुपये लाख में
1	11 MLD फिल्टर प्लांट में फिल्टर मीडिया फिलिंग कार्य ।	रू. 3.70 लाख /-
2	पाईप लाईन वेल्डिंग एवं क्लैम्प फिटिग कार्य ।	रू. 2.41 लाख / -

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइड www.municipal corporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है ।

कार्यपालन अभियंता

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026

के अवसर पर

वृहद महतारी वंदन सम्मेलन-2026

छत्तीसगढ़ शासन | छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

महतारी गौरव वर्ष

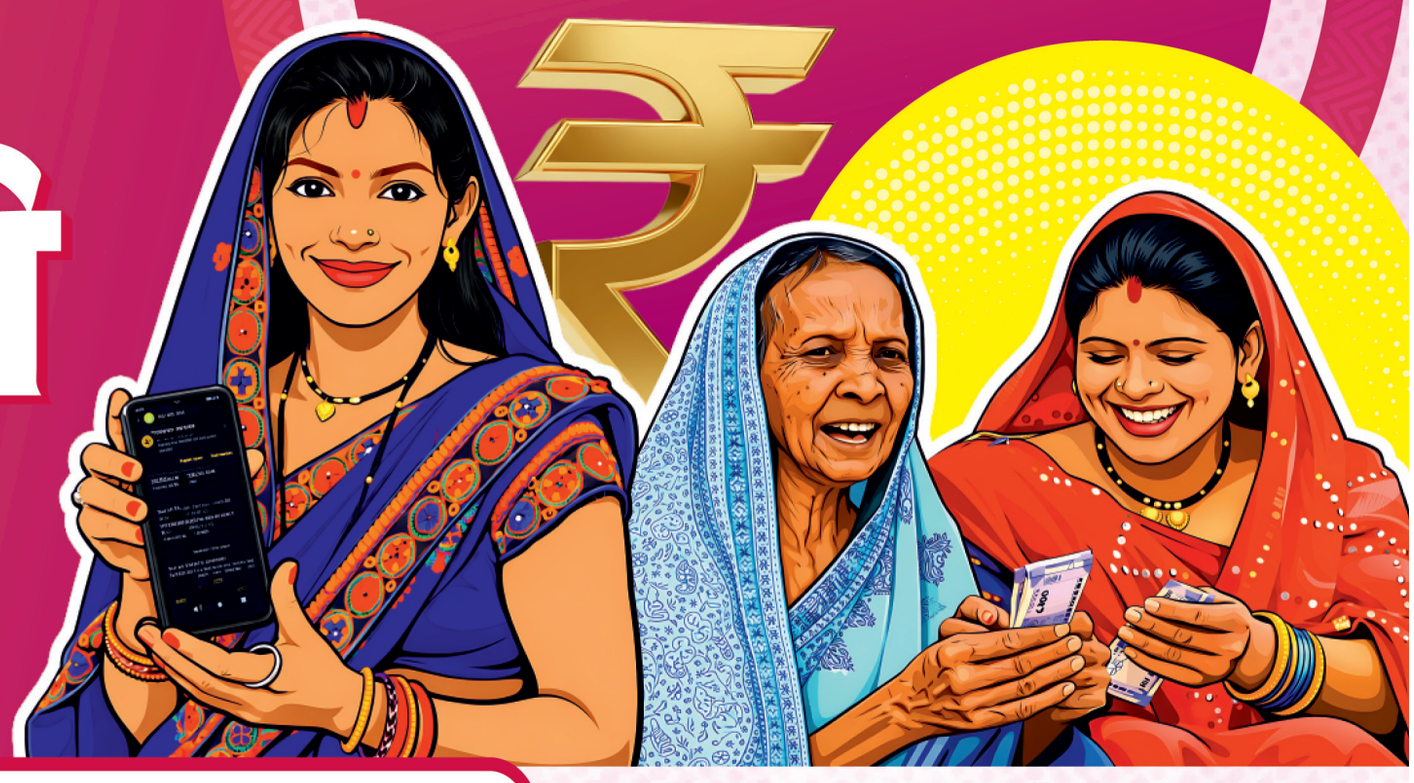

08 मार्च 2026

दोपहर 12:00 बजे

लाल बहादुर शास्त्री मिनी स्टेडियम, जनपद पंचायत बस्तर

सखी वन स्टॉप सेंटर

SOP लागू करने वाला **पहला राज्य**, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी मदद

महतारी वंदन योजना

69 लाख से अधिक महिलाओं को **₹15,595 करोड़** की सहायता

2026-27 बजट में **₹8,200 करोड़** का प्रावधान

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

दो वर्षों में **21,754 बालिकाओं** का विवाह संपन्न

प्रत्येक जोड़े को **₹50,000** की सहायता राशि

यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय हेतु **व्यापक बाज़ार**

लखपति दीदी योजना

8 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी

10 लाख अतिरिक्त महिलाओं को लखपति दीदी बानाने का लक्ष्य

लखपति दीदी भ्रमण योजना

₹05 करोड़ का बजटीय प्रावधान

लखपति दीदियों को कराया जाएगा **एक्सपोजर विजिट**

रजिस्ट्री शुल्क

महिलाओं को **रजिस्ट्री शुल्क** में **50%** की छूट का बजटीय प्रावधान

महतारी सदन

368 महतारी सदनों के निर्माण हेतु **₹108.78 करोड़** स्वीकृत

137 महतारी सदनों का निर्माण पूर्ण

बिहान योजना

42,878 महिला स्व-सहायता समूहों को आसान ऋण से अब तक **₹129.46 करोड़** का लाभ

रेडी टू ईट

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में **महिला स्व-सहायता समूहों** को पुन: **रेडी टू ईट** के कार्य की ज़िम्मेदारी

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in